

राजस्व विभाग सीधे आमजन एवं किसानों के जीवन से जुड़ा विभाग



■ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजस्व विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने विभाग द्वारा किए जा रहे प्रशासनिक सुधारों, तकनीक आधारित नवाचारों तथा नागरिकों एवं किसानों को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की स्पष्ट नीति राजस्व प्रशासन को पारदर्शी, जवाबदेह एवं भ्रष्टाचारमुक्त बनाना है। राजस्व मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा नागरिकों को बिना अनावश्यक कार्यालयीन आवागमन के गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बैठक में डिजिटल किसान किताब एवं भूमि संबंधी दस्तावेजों के डिजिटलीकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि किसानों को बी-1, खसरा, ऋण पुस्तिका तथा भूमि संबंधी अन्य जानकारी व्हाट्सएप के माध्यम से सहज रूप से उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि उन्हें तहसील अथवा पटवारी कार्यालय जाने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सीधे आमजन एवं किसानों के जीवन से जुड़ा विभाग है, इसलिए शासन के सभी सुधारों एवं नवाचारों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से पहुंचना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आरबीसी 6-4 के प्रकरणों का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरबीसी 6-4 की ऑनलाइन व्यवस्था एक महत्वपूर्ण सुधार है, जिसके लागू होने पर आवेदक स्वयं ऑनलाइन आवेदन

कर सकेंगे तथा संपूर्ण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध होगी। उन्होंने अविवादित फौती नामांतरण की प्रक्रिया पंचायतों के माध्यम से संपादित करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर विशेष बल देते हुए सीमांकन प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निपटारा सुनिश्चित करने तथा समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों की जिला-वार नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

बैठक में परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने नकल शाखा को पूर्णतः ऑनलाइन करने के लिए इस परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत राज्य के सभी जिला एवं तहसील कार्यालयों के महत्वपूर्ण राजस्व अभिलेखों का एकीकृत डिजिटल अभिलेखागार विकसित किया जाएगा। इससे प्रमाणित अभिलेखों का निगमन कुछ ही मिनटों में संभव होगा तथा अभिलेखों में छेड़छाड़ की संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने असर्वेक्षित ग्रामों, विशेषकर अछूतग्रामों क्षेत्र में सर्वेक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि राजस्व अभिलेख तैयार हो सकें, भूमि अभिलेख अद्यतन हों तथा स्थानीय नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

बैठक में स्वामित्व योजना, वन अधिकार पट्टों की प्रविष्टि एवं नामांतरण, पट्टाधुति अधिनियम-2023 के प्रभावी क्रियान्वयन, एग्री स्ट्रेक, फार्मर रजिस्ट्री एवं एक्स्पेस्टेड कैटेगरी फार्मर रजिस्ट्री की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने आगामी खरीफ सीजन के डिजिटल क्राॅप सर्वे एवं गिरदावरी की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के आगामी मानसून सत्र से पहले सत्ता पक्ष ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में नवा रायपुर स्थित सीएम हाउस में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें सभी मंत्री और भाजपा विधायक मौजूद रहे।

बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में विधायक दल की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें सभी विधायकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मानसून सत्र में विपक्ष के सवालों का जवाब देने राज्य सरकार पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी के पास कोई मुद्दा नहीं है। वो अपनी उपस्थिति के लिए

अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब: कश्यप



अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की है और हम पूरे तरीके से तैयार हैं। कांग्रेस को उसके अविश्वास प्रस्ताव का मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

मंत्री कश्यप ने कहा, कांग्रेस पर पूरे देश ने अविश्वास किया है। हर किसी ने कांग्रेस को जवाब दिया है, फिर कांग्रेस किस मुंह से अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ रही है। कांग्रेस सिर्फ

अपनी कुर्सी बचाने की कोशिश कर रही है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सार्थक बैठक हुई, जिसमें राजनीतिक, संगठनात्मक और मानसून सत्र को लेकर चर्चा हुई है।

मानसून सत्र से पहले प्रदेश की राजनीतिक गतिविधियां लगातार तेज हो

रही हैं। आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से स्पीकर हाउस पहुंचकर मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक आगामी मानसून सत्र की तैयारियों और सदन के सुचारु संचालन को लेकर चर्चा हुई थी। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने भी

विधानसभा अध्यक्ष से अलग से मुलाकात कर सत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की थी। इन बैठकों को सत्र की रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौरतलब है कि इस बार मानसून सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने के आसार हैं। कांग्रेस पहले ही सरकार को

कई अहम मुद्दों पर घेरने की रणनीति बना चुकी है। इनमें कानून-व्यवस्था, किसानों की समस्याएं, रायपुर के नकटी गांव का भूमि विवाद, बिजली-पानी संकट, सड़क निर्माण और मानसून के दौरान व्यवस्थाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। विपक्ष खरीफ सीजन में किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता, सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, धान खरीदी की तैयारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी सरकार से जवाब मांगने की तैयारी में है। वहीं, रायपुर के नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, विस्थापन और विधायक आवास के लिए प्रस्तावित भूमि से जुड़ा विवाद भी विधानसभा में गूँज सकता है।

निगम, मंडल, आयोग में नियुक्तियां

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के विभिन्न निगम, मंडल, आयोग, बोर्ड, समिति एवं अन्य संस्थाओं में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी होने पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पद पर गौरीशंकर श्रीवास तथा सदस्य पद पर देवशरण सेन, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में डॉ. श्रीमती ममता साहू तथा छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष पद पर श्री रामलाल चौहान, उपाध्यक्ष पद पर श्री वेदराम मनहरे एवं सदस्य के रूप में श्री सौरभसिंह जाजूत, श्री दुर्गा महेश्वर तथा श्री दयावंत धर बांधे की नियुक्ति की गई है।



छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष पद पर श्री सुधीर गौतम, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य पद पर श्री मनमथ नाथ शर्मा तथा छत्तीसगढ़ फिल्म

विकास निगम के सदस्य पद पर श्रीमती प्रसन्ना अवस्थी की नियुक्ति की गई है। रायपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पद पर डॉ. जे.पी. शर्मा, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के उपाध्यक्ष पद पर श्री किशोर महानंद, गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष पद पर श्री आनंद कुमार तिवारी (श्री राजीव लोचन दास महाराज) तथा छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष पद पर श्री मंगल दास ठाकुर को दायित्व सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विधास व्यक्त किया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी जनसेवा, सुशासन और लोककल्याण के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई गति प्रदान करेंगे।

छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन के कर्मचारियों को उपहार

रायपुर। स्टेट वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन के नवा रायपुर स्थित मुख्यालय भवन में निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रलाल साहू, की उपस्थिति में स्टेट वेयरहाउसिंग एवं ऐक्सिस बैंक के मध्य सैलरी एम ओ यू (समझौता ज्ञापन) निष्पादित किया गया। इस अवसर पर निगम के प्रबंध संचालक श्री आशीष कुमार टिकरिहा साथ ही निगम एवं ऐक्सिस बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। एम ओ यू (समझौता ज्ञापन) के तहत ऐक्सिस बैंक में निगम कर्मियों के सैलरी एकाउंट खोलने पर निगम के नियमित कर्मचारियों एवं दैनिक वेतन श्रमिकों को 1.10 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा तथा 10 लाख का प्राकृतिक मृत्यु बीमा निःशुल्क कवर किया जाएगा। निगम कर्मचारियों को मृत्यु की स्थिति में परिवार को 8 लाख रुपये तक की शिक्षा सहायता राशि प्रदान की जायेगी। साथ ही मात्र रुपये 2499/- के वार्षिक प्रीमियम पर रुपये 30 लाख तक का हेल्थ टॉप-अप कवर एवं 30 लाख का पर्सनल ऐक्सिडेंट कवर की सुविधा का लाभ भी मिलेगा। निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रलाल साहू ने बताया की इस एम ओ यू से कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को बेहतर बैंकिंग, बीमा सुरक्षा तथा वित्तीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। आज ही निगम मुख्यालय में अध्यक्ष चंद्रलाल साहू द्वारा बैंकगुण्टपुर (जिला-कोरिया) निवासी श्रीमती पूनम कूजूर को सी0सी0एच0 (चतुर्थ श्रेणी) पद पर अनुकम्पा नियुक्ति आदेश प्रदान किया गया।

डूमरतराई नवीन थोक बाजार का नामकरण एवं लोकार्पण आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा रायपुर के डूमरतराई में विकसित अत्याधुनिक नवीन थोक बाजार का नामकरण एवं लोकार्पण समारोह अब 8 जुलाई 2026 को आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस आधुनिक व्यापारिक परिसर का लोकार्पण एवं नामकरण कर इसे प्रदेशवासियों और व्यापारियों को समर्पित करेंगे। समारोह की अध्यक्षता आवास एवं पर्यावरण, वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम पूर्व में 5 जुलाई 2026 को प्रस्तावित था, किन्तु अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया था। अब यह समारोह 8 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर लगभग 36 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह अत्याधुनिक थोक बाजार व्यापारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। परिसर में चौड़ी सड़कें, पर्याप्त पार्किंग, सुगम यातायात व्यवस्था, सुव्यवस्थित व्यापारिक अवसंरचना तथा आवश्यक नागरिक सुविधाओं का समुचित प्रावधान किया गया है। यह बाजार रायपुर सहित पूरे प्रदेश के व्यापारिक विकास को नई दिशा देने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करेगा। डूमरतराई व्यापारिक परिसर का विकास चरणबद्ध रूप से किया गया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

स्थानीय से राष्ट्रीय बाजार की ओर बढ़ रहा अरपा-बिहान विष्णुभोग चावल ‘विष्णुभोग’ चावल बना महिलाओं की समृद्धि का नया ब्रांड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्थानीय कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) का प्रयास लगातार सफल हो रहा है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा जैविक पद्धति से उत्पादित और प्रसंस्कृत अरपा-बिहान विष्णुभोग चावल को अब जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इसका ताजा उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब गौरेला-पेंड्रा मरवाही जिले के पेंड्रा स्थित असेंबली हॉल में आयोजित स्थानीय जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान महज 30 मिनट में 45 हजार रुपये से

अधिक मूल्य के विष्णुभोग चावल की बिक्री हुई। यह उपलब्धि ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, गुणवत्ता आधारित उत्पादन और राज्य सरकार की आजीविका उन्मुख योजनाओं पर बढ़ते जनविश्वास का प्रमाण है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से सीधे चावल खरीदकर उनके आत्मविश्वास को नई ऊर्जा दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री गुरु खुरावंत साहेब, मरवाही विधायक श्री प्रणव



कुमार मरपची तथा कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव ने स्वयं विष्णुभोग चावल खरीदकर महिलाओं के प्रयासों की सराहना की और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। वहीं स्थानीय निवासी श्री पंकज तिवारी ने एक साथ 200 किलोग्राम विष्णुभोग

चावल खरीदकर अब तक के सबसे बड़े खरीदार बनने का गौरव प्राप्त किया। उनके इस कदम ने अन्य नागरिकों को भी स्थानीय उत्पादों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत गठित महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) इस पहल की प्रमुख कड़ी बनकर उभरी है। महिलाओं द्वारा जैविक पद्धति से उत्पादित विष्णुभोग धान का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण, आकर्षक ब्रांडिंग, गुणवत्तापूर्ण पैकेजिंग और व्यवस्थित विपणन

किया जा रहा है। इससे उत्पाद को बेहतर बाजार मिलने के साथ-साथ किसानों और महिला उत्पादकों को उनकी उपज का उचित मूल्य भी प्राप्त हो रहा है। जिले में इस पहल को आगे बढ़ाने में कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुकेश रावटे की सक्रिय भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। उनके मार्गदर्शन में विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और सार्वजनिक मंचों पर लगातार विष्णुभोग चावल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। परिणामस्वरूप इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है और अधिक महिलाएं इस मॉडल से जुड़कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं।

रायपुर विकास प्राधिकरण की संपत्तियों की बुकिंग अब पूरी तरह ऑनलाइन

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण (आर.डी.ए.) ने नागरिकों की सुविधा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए अपनी संपत्तियों की बुकिंग प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। अब इच्छुक नागरिक बिना कार्यालय आए घर बैठे ही प्राधिकरण की वेबसाइट पर उपलब्ध डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संपत्तियों की जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन आवेदन एवं बुकिंग कर सकेंगे।

प्राधिकरण ने प्रथम चरण में लगभग 121 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों को ऑनलाइन बुकिंग के लिए उपलब्ध कराया है। इनमें कमल विहार तथा रावभाटा सहित प्राधिकरण की प्रमुख योजनाओं की संपत्तियां शामिल हैं। कमल विहार में आवासीय फ्लैट, आवासीय एवं व्यावसायिक भूखंड उपलब्ध हैं, जबकि रावभाटा में व्यावसायिक संपत्तियां बुकिंग के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। प्राधिकरण द्वारा



ऑनलाइन बुकिंग सुविधा के साथ अब हितग्राही घर बैठे ही वेबसाइट के माध्यम से मेटेंसस शुल्क का ऑनलाइन भुगतान भी कर सकेंगे। इससे नागरिकों को कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी और सेवाएं अधिक सुविधाजनक, समयबद्ध तथा पारदर्शी बनेंगी। रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नंदे साहू ने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य नागरिकों को आधुनिक, पारदर्शी एवं जनहितैषी सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था से समय की बचत होगी, प्रक्रिया सरल बनेगी तथा संपत्तियों के आवंटन में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित होगी।

आर्थिक रूप से कमजोर एवं निम्न आय वर्ग के हितग्राहियों के लिए भी आवासीय संपत्तियों का निर्माण किया गया है, ताकि प्रत्येक वर्ग के नागरिकों को उनकी आवश्यकता और सामर्थ्य के अनुरूप आवास उपलब्ध कराया जा सके।

नकली खाद-बीज के खिलाफ प्रशासन के एक्शन से हड़कम्प

जगदलपुर। खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद और बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने नकली और संदिग्ध गुणवत्ता वाले खाद-बीज के कारोबार पर सख्त रुख अपनाया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद कृषि विभाग ने जिलेभर में व्यापक जांच अभियान शुरू किया, जिसमें कई दुकानों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की गई है।

जांच के दौरान अब तक 33 खाद-बीज विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं नियमों के उल्लंघन और अनियमितता पाए जाने पर 28 दुकानों में खाद-बीज के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है, ताकि किसानों तक केवल प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद ही पहुंच सकें।

कार्रवाई के तहत 6 दुकानों से खाद-बीज जब्त कर संबंधित प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किए गए हैं। वहीं गंभीर अनियमितता के एक मामले में

28 दुकानों की बिक्री पर रोक, 33 को नोटिस



संबंधित विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा दो दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं, जबकि दो अन्य दुकानों के लाइसेंस निरस्त कर प्रशासन ने कड़ा संदेश दिया है।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी, नकली खाद-बीज की बिक्री या नियमों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने सभी खाद-बीज विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि

वे अपनी दुकानों पर उपलब्ध स्टॉक की स्थिति और निर्धारित बिक्री मूल्य को अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें।

साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों को जिलेभर में लगातार निरीक्षण और जांच अभियान जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि किसानों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और

नकली या अमानक खाद-बीज की बिक्री करने वाले कारोबारियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अघोषित बिजली कटौती और किसानों से दुर्व्यवहार विधायक भावना बोहरा ने जेई को लगाई फटकार

कबीरधाम। कबीरधाम क्षेत्र में लंबे समय से जारी अघोषित बिजली कटौती और किसानों के साथ बिजली विभाग के अधिकारियों कथित दुर्व्यवहार की शिकायतों के बाद पंडरिया विधायक भावना बोहरा रामपुर विद्युत उपकेंद्र (सब स्टेशन) पहुंचीं। जहां उन्होंने मौके पर बिजली आपूर्ति की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान विधायक ने किसानों और उपभोक्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) सौरभ कुमार को लापरवाही और शिकायतों के निराकरण में ढिलाई को लेकर कड़ी फटकार लगाई। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विधायक की सक्रियता की क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि वर्तमान समय खरीफ फसलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति की आवश्यकता है। ऐसे में बार-बार होने वाली अघोषित बिजली कटौती से किसानों को भारी



पेशानी उठानी पड़ रही है।

निरीक्षण के दौरान किसानों और स्थानीय नागरिकों ने विधायक को अघोषित बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और विभागीय कर्मचारियों के व्यवहार से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। शिकायतों के बाद विधायक ने वरिष्ठ अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर पूरी स्थिति की जानकारी दी और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश

दिलाए।

विधायक ने स्पष्ट कहा कि किसानों और आम उपभोक्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस प्रकार की शिकायतें दोबारा सामने आईं तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध शासन स्तर पर कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में किसान एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पुल से बही बिजली विभाग की पिकअप, 3 ने बचाई जान, एक लापता



बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले में लगातार बारिश के बीच सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। अचानकपुर क्षेत्र में बिजली सुधार कार्य के लिए बिजली विभाग के कर्मचारी पिकअप में सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने जब उफनते नाले को पार करने की कोशिश की तो वह तेज बहाव की चपेट में आ गए।

इतिहास जानकारी के मुताबिक, घटना करीब रात 2 बजे की है। तीन कर्मचारियों ने किसी तरह तैरकर अपनी जान बचा ली, लेकिन एक कर्मी लापता हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू

ऑपरेशन चला रही है। खोरसी नाला के पुल को पार करते समय तेज बहाव के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। पिकअप पुल से करीब 800 मीटर दूर तक बह गया। वाहन में मौजूद तीन कर्मचारी ने तैरकर अपनी जान बचा ली।

एक कर्मचारी के वाहन में फंसे होने या बह जाने की आशंका जताई जा रही है। उसकी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलते ही नगर सेना, पुलिस और प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंच मौजूद है। लापता कर्मचारी और वाहन की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

दंतेवाड़ा में जैविक खेती को मिली नई उड़ान, श्री विधि से किसानों की आय और उत्पादन में बढ़ोतरी का लक्ष्य

दंतेवाड़ा। जैविक खेती के लिए देशभर में पहचान बना चुके दंतेवाड़ा जिले में अब प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक खेती को नई गति मिल रही है। जिला प्रशासन और कृषि विभाग किसानों को खेत-खेत पहुंचकर आधुनिक जैविक तकनीकों का



प्रशिक्षण दे रहे हैं, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन के साथ किसानों की आय बढ़ाई जा सके। जिला प्रशासन, कृषि विभाग एवं भूमगादी कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) के संयुक्त प्रयास से जिले में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत किसानों को परंपरागत सुगांधित जैविक धान की किस्मों—लोकतीमांची, जवा फूल, जीरा फूल, नीम फूल एवं सुगंधा की उन्नत खेती के साथ प्राकृतिक कृषि पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस वर्ष जिले में पहली बार रोपा, कतार रोपा एवं श्री विधि से 6 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में

सिंचाई तथा जीवामृत, गोमूत्र, वर्मी कम्पोस्ट जैसे जैविक आदानों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। अधिकारियों ने किसानों को वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती की आधुनिक तकनीकों की जानकारी देते हुए इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित किया। भूमगादी कृषक उत्पादक संगठन के जैविक कार्यकर्ताओं ने खेतों में प्रायोगिक प्रदर्शन के माध्यम से श्री विधि, कतार रोपा, जीवामृत, हांडी खाद, नीम आधारित जैविक कीटनाशी और वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग की विस्तृत जानकारी भी दी।

छात्रों की गूंज: छात्र और युवा हितों की रक्षा के लिए कांग्रेस ने चलाया अभियान

राजनंदगांव। युवा और छात्रों के मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस पार्टी छात्रों की गूंज नाम से एक अभियान चला रही है। अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी सभी जिलों में प्रेस कांफ्रेंस कर केंद्र की नीतियों पर सवाल खड़े कर रही है। अभियान के तहत कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता परीक्षाओं में कथित अनियमितता, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी पर सवाल खड़े कर रही है। पार्टी का कहना है कि युवाओं का भविष्य कभी पेपर लीक तो कभी बेरोजगारी में फंसकर बर्बाद हो रहा है। कांग्रेस का कहना है कि पेपर लीक होने की वजह से युवाओं का जहां भविष्य खराब हो रहा है, वहीं परीक्षाओं की निष्पक्षता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। छात्र और उनके परिजन दोनों का विश्वास परीक्षा व्यवस्थाओं से उठता जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश एवं भर्ती परीक्षाओं में



पारदर्शिता सुनिश्चित करना केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है। परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों के कारण लाखों युवाओं को मानसिक तनाव और भविष्य को लेकर असमंजस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कई विभागों में वर्षों से रिक्त पड़े पदों पर समयबद्ध भर्ती नहीं होने से बेरोजगारी की समस्या और गंभीर हुई है। जिला कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि युवाओं को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि निष्पक्ष परीक्षा, पारदर्शी भर्ती व्यवस्था और समय पर रोजगार के अवसर चाहिए। पार्टी ने परीक्षा प्रणाली में सुधार के साथ रिक्त सरकारी पदों पर नियमित और

समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सामने आई अनियमितताओं और पेपर लीक मामलेलों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो। पेपर लीक और परीक्षा माफियाओं के पूरे नेटवर्क को खूलासा कर उनसे जुड़े सभी लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और तकनीक आधारित परीक्षा प्रणाली लागू हो।

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

धमतरी कोर्ट ने गांजा तस्करी को मिली 10-10 साल की सजा

धमतरी। गांजा तस्करी से जुड़े केस में जिला सत्र न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 53 किलो गांजा तस्करी के केस में दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 10-10 साल की सजा सुनाई है। सजा के साथ-साथ कोर्ट ने दोनों दोषियों को एक-एक लाख का जुर्माना भी लगाया है। दोनों आरोपियों को जो सजा सुनाई गई है वो सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। बोराई थाना पुलिस ने बताया कि 9 जनवरी 2024 को दोनों गांजा तस्करी गांजे की खेप के साथ पकड़े गए थे। दरअसल पुलिस को मुखबिर के जरिए ये खबर मिली थी कि ओडिशा सीमा से होकर एक कार निकली है। कार में गांजा की बड़ी खेप के साथ तस्करी सवार हैं। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए नाके पर घेराबंदी की और कार को रुकवाया। कार की तलाशी के दौरान कार कि डिग्री और सीट के नीचे तीन प्लास्टिक की बोरियों में कुल 53 किलो गांजा छिपाकर रखा गया था। बोराई थाना पुलिस ने मध्यप्रदेश के सतना निवासी तोषण विश्वकर्मा उर्फ राजा और रीवा निवासी विजय विश्वकर्मा को मौके से गिरफ्तार किया।

पीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

महामुद्। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रधानमंत्री राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला परिवहन अधिकारी जिला सूचना अधिकारी एनआईसी जिले के सभी शासकीय एवं निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि, यातायात पुलिस के डीएसपी, पुलिस अधिकारी, डीआरएम ई-डीएआर सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य पात्र मामलों में पीड़ितों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराने के लिए सभी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि दुर्घटना के सूचना प्राप्त होने से लेकर उच्चार, दस्तावेजों के संधारण, ऑनलाइन प्रविष्टि तथा दावा प्रक्रिया तक प्रत्येक स्तर पर निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित किया जाए।

धमतरी में जलभराव की समस्या से मिलेगी मुक्ति

धमतरी। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के बाद धमतरी शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है जिसका जायजा नगर निगम महापौर रामू रोहरा ने लिया इसके बाद महापौर में निगम अधिकारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। हालांकि महापौर का दावा है कि शहर में कहीं भी गंभीर जलभराव की स्थिति नहीं है और अधिकांश स्थानों पर पानी की निकासी हो रही है इसी के साथ महापौर ने शहर के कुछ इलाकों में अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम बनाने की बात कही। धमतरी नगर निगम के महापौर रामू रोहरा ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ शहर के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बनियापारा और विमल टॉकीज रोड का मौके पर निरीक्षण किया। इस दौरान जल निकासी व्यवस्था का विस्तृत सर्वे कराया गया और अधिकारियों को जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि विगत कई वर्षों से इन क्षेत्रों में बारिश के दौरान जल निकासी का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया था।

लखपति दीदी अभियान में जीपीएम जिले की उल्लेखनीय उपलब्धि

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत संचालित लखपति दीदी अभियान में जिले ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिले को 10,124 लखपति दीदी तैयार करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके विरुद्ध अब तक 9,095 लखपति दीदियां लक्ष्य हासिल कर चुकी हैं, जो कुल लक्ष्य का 90 प्रतिशत है। जिले में वर्तमान में 6 हजार 10 स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं। प्रति समूह को औसतन 1 लाख 92 हजार रुपये का ऋण संचितरण किया गया है, जिससे महिलाओं की आजीविका गतिविधियों को नई गति मिली है। जिला प्रशासन एवं बिहान मिशन के सतत प्रयासों से जिले की स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं स्वरोजगार, उद्यमिता और आयवर्धन गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। लखपति दीदी अभियान महिलाओं के सक्रिककरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रहा है।

बिलासपुर में हाईकोर्ट ने करंट से 3 मौतों पर लिया संज्ञान

बिलासपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट ने कोटा ब्लॉक के भाड़म में करंट से हुई तीन मौतों के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने मैनेजिंग डायरेक्टर सीएसपीडीसीएल और सेक्रेटरी एनजी को शपथपत्र देने का निर्देश दिया है। इसमें इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के निरीक्षण, रखरखाव के मौजूदा ढांचे, ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय और लापरवाही के मामलों में जिम्मेदारी तय करने का तंत्र शामिल होगा। मामले के अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने कहा कि इलेक्ट्रिक फेंसिंग से बार-बार होने वाले जानमाल के नुकसान के लिए एक सही नीति और प्रभावी सुरक्षा उपाय अपनाने की जरूरत है। कोर्ट ने ऐसे कई मामले देखे हैं जहां लोगों ने अपनी फसलों, संपत्ति या जानवरों को बचाने के लिए खेतों, फार्महाउस और अन्य संपत्तियों को इलेक्ट्रिक फेंसिंग से घेर दिया है। अनजाने में इसके संपर्क में आने वाले लोगों को अक्सर नुकसान होता है।

सरगुजा में कांग्रेस ने निकाली न्याय रैली

सरगुजा। अंबिकापुर में कांग्रेस ने भारी बारिश के बीच आईजी कार्यालय तक न्याय रैली निकाली। भारी बारिश के बीच भीगते हुए कांग्रेस नेता और पदाधिकारियों ने रैली निकाली। इसके बाद आईजी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत एवं नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के महिला और पुरुष पदाधिकारियों ने शासन के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए अपना विरोध जताया।

कला केन्द्र मैदान के आबंटन में भगत ने प्रशासनिक अधिकारी के साथ एफआईआर और शासकीय कर्मचारी के साथ मारपीट के मामले में सीतापुर विधायक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस ने अपनी न्याय यात्रा निकाली थी।



इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने प्रशासनिक अधिकारी के साथ मारपीट के मामले में विधायक रामकुमार टोप्यो की अबतक गिरफ्तारी नहीं होने का मुद्दा आईजी के सामने रखा। अमरजीत भगत ने कहा कि इस घटना के बाद

सीतापुर क्षेत्र के शायकीय कर्मचारियों में दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। थाने से लेकर एसपी कार्यालय तक का दरवाजा खटखटाने के बाद कांग्रेस ने सभी मामलों को लेकर साक्ष्यों के साथ सरगुजा रेंज के आईजी दीपक झा को

ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने ज्ञापन के साथ वायरल ऑडियो के साथ ही न्यूज चैनल के उन क्लिप को भी पेश किया जिसमें बीजेपी जिलाध्यक्ष के साथ ही महापौर भी कमोबेश इस वार्ता का हिस्सा होना स्वीकार कर रहे हैं। कांग्रेस ने एक ऐसा न्यूज क्लिप भी सौंपा, जिसमें लाइव प्रसारण के दौरान टेलीफोन के माध्यम से जुड़े अनुराग मिश्रा ने महापौर को 4 लाख रुपए की रिश्तत देने की बात कही है। साथ ही बीजेपी जिलाध्यक्ष को 3 लाख रुपए और निगम कर्मचारियों को 1 लाख रुपए देने की पेशकश का जिक्र किया है। कांग्रेस ने कलाकेंद्र जमीन घोटाले के मामले में कलेक्टर सरगुजा के उस पत्र की प्रतिलिपि भी आईजी को सौंपी जिसमें तहसीलदार को इस मामले में 6 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया है।

मानसून सत्र में गूंजेगा नकली मंगलसूत्र का मुद्दा

मनंदरागढ़ चिरमिरी भरतपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत एमसीबी जिले में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में नवविवाहिताओं को चांदी की बजाय गिलट (नकली) के मंगलसूत्र बांटे जाने का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर तूल पकड़ चुका है। यह मामला अब विधानसभा के मानसून सत्र में भी गूंजेगा, जहां कांग्रेस विधायक संदीप साहू और बालेश्वर साहू ने सरकार से जवाब मांगने के लिए प्रश्न लगाया है। यह सामूहिक विवाह 10 फरवरी 2026 को खड़गावां विकासखंड के चनवारीडौंड स्थित महामाया मंदिर परिसर में आयोजित हुआ था। समारोह में



184 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया था और शासन की ओर से अन्य सामग्री के साथ मंगलसूत्र भी बांटे गए थे। विवाह के कुछ समय बाद कई नवविवाहिताओं को संदेह हुआ कि उन्हें दिए गए मंगलसूत्र चांदी के नहीं बल्कि गिलट के हैं। मामले को कांग्रेस के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने

प्रमुखता से उठाया। जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। गुलाब कमरो ने बताया कि छत्तीसगढ़ की महिलाओं और बहनों के साथ धोखा किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश में सिर्फ भ्रष्टाचार करने का काम कर रही है। दोषी अधिकारी पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। इस मामले में कलेक्टर संतन देवी जोड़े ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की। जांच रिपोर्ट में अनियमितताओं की पुष्टि होने पर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा करते हुए विभागीय संचालक को पत्र भेजा।

नमक आंदोलन की तर्ज पर नागरिकता बचाओ आंदोलन?

सनत जैन

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश की राजनीति गर्माती जा रही है। विपक्षी दलों ने एसआईआर प्रक्रिया को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया हुए, इसके खिलाफ साझा मोर्चा बना लिया है। विपक्ष का कहना है कि यदि सर्वोच्च न्यायालय से शीघ्र राहत नहीं मिलती है, तो ऐसी स्थिति में महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन की तर्ज पर देशव्यापी जन आंदोलन शुरू किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से विपक्षी दलों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपकर एसआईआर प्रक्रिया पर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने जल्द ही इस मामले में फैसला नहीं किया, तो अगस्त माह से सारे देश में जन आंदोलन शुरू करने विपक्ष लामबंद हो रहा है। विपक्ष का आरोप है कि जिन राज्यों में एसआईआर लागू किया गया है, वहां बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। विपक्षी नेताओं का दावा है कि पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में करोड़ों मतदाता प्रभावित हुए हैं। उनका कहना है, मतदाता सूची से नाम हटने के कारण नागरिकों की सरकारी सेवाओं और सुविधाओं को खत्म किया जा रहा है। नागरिकों के मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हैं। हालांकि, चुनाव आयोग इन आरोपों से सहमत नहीं है। चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य केवल मतदाता सूची को शुद्ध और सही करना है। प्रत्येक पात्र नागरिक को अपना पक्ष रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर चुनाव आयोग द्वारा दिया जा रहा है। वहीं विपक्ष का आरोप है, मतदाताओं के नाम काटकर भाजपा को जिताने का षड्यंत्र किया जा रहा है। विपक्ष इस विवाद को लेकर 12 मार्च 1930 से शुरू हुए महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह आंदोलन की तर्ज पर आंदोलन करने जा रहा है। उस समय ब्रिटिश सरकार ने नमक के उत्पादन और बिक्री पर एकाधिकार स्थापित कर नमक पर कर लगाया था। इसके विरोध में गांधीजी ने साबरमती आश्रम से 78 स्वयंसेवकों के साथ दांडी यात्रा प्रारंभ की, जो आगे चलकर सविनय अवज्ञा आंदोलन में बदल गई। विपक्ष का मानना है, जिस प्रकार उस समय नमक आंदोलन प्रत्येक भारतीय के जीवन से जुड़ा विषय था, उसी प्रकार आज मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आधारशिला है। यदि मतदाताओं के नाम जबरिया सूची से हटते हैं, तो इसका प्रभाव सीधे लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ता है। इसी बीच कर्नाटक में इस मुद्दे पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राज्य सरकार नागरिकों के दस्तावेजों और पहचान से संबंधित व्यवस्था को मजबूत करने के उपायों पर विचार कर रही है। कर्नाटक की सरकार अपने स्तर पर नागरिक पहचान या प्रमाणन से जुड़ी नई व्यवस्था लागू करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इससे आगे चलकर केंद्र और राज्यों के बीच संवैधानिक तथा प्रशासनिक रिश्तों को लेकर बहस और तेज हो सकती है। एसआईआर का यह विवाद केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रह गया है। बल्कि यह विवाद लोकतांत्रिक अधिकारों, संघीय ढांचे और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका पर भी व्यापक बहस का विषय बन चुका है। एक ओर विपक्ष इसे मताधिकार और मौलिक अधिकार से जोड़ रहा है, वहीं चुनाव आयोग और केंद्र सरकार इसे मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने की नियमित संवैधानिक प्रक्रिया बता रहे हैं। प. बंगाल एवं बिहार सरकार ने मतदाता सूची का आधार बताकर पासपोर्ट भी बनाया बंद कर दिया है। अब विपक्ष की निगाहें सर्वोच्च न्यायालय पर टिकी हैं। यदि न्यायालय इस मामले में कोई महत्वपूर्ण निर्देश देता है, तो इस विवाद को टाला जा सकता है।

पुराण दिग्दर्शन

सन्देहभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे...)

इससे तो उपर्युक्त यज्ञ भी मनुष्यार्थाक ही होना चाहिए। कदाविद् रसायनादि द्वारा हजार वर्ष की आयु संभव हो इसके उतर में- नासामर्थ्यत्।

(6 17 13) (भाध्यम्) न रसायनानामेतत्सामर्थ्यं दृष्टम्। येन सहस्र-संक्सरं जीवेयुः एतानि हि अग्नेर्वर्द्धकानि बलिपलितस्य नाशकानि स्वरवर्णप्रसादकानि, मेधाजननानि, नैतावदायुषो दातुणि दृश्यन्ते।

अर्थात्- रसायन में भी ऐसा सामर्थ्य नहीं देखा जाता, जिससे कि पुरुष हजार वर्ष तक जीवित रह सके। क्योंकि रसायनों के सेवन से जाटराग्नि बढ़ सकती है, चमड़ी का ढीलपन तथा बालों का पकना दूर हो सकता है, आवाज और कान्ति उत्तम हो सकती है एवं धारणा-शक्ति उत्पन्न हो सकती है, परन्तु आयु बढ़ सकती हो-ऐसा नहीं देखा जाता।

सकुलकल्पः

स्यादिति



कार्णाजिनिरैकस्मिन्नसंभवात् ।

(6 17 13)

अर्थात् - कार्णाजिनि ऋषि ऐसा मानते हैं कि यह यज्ञविधान जब कि हजार वर्ष पर्यन्त एक मनुष्य का जीवित रहना भम्भव नहीं है ऐसी दशा में यज्ञारम्भकर्ता यजनकर के कुल में उत्पन्न होने वाले पीढ़ी दर पीढ़ी कई एक पुरुषों द्वारा संपादनीय होना चाहिये।

उपर्युक्त मत में विप्रतिपत्ति दिखाते हैं।

अपि वा कृत्स्नसंयोगादेकस्यैव प्रयोगः स्यात्।

(6 17 13)

अर्थात्- क्यों कि यह यज्ञ विधान एक व्यक्ति से ही सबद्ध है अतः यहाँ कुलकल्प (पीढ़ी दर पीढ़ी करणीय) नहीं माना जा सकता।

विप्रतिषेधायु गुण्यन्तरः स्यादिति लाबुकायनः ।

(6 17 13)

क्रमशः ...

ज्ञान/मीमांसा

कांग्रेस से कैसे छूटा राष्ट्रवाद का मुद्दा?

शेखर गुप्ता

राष्ट्रीय राजनीति में चल रहे मंथन के दो पहलू हैं और चिंता मत कीजिए मैं मंत्रिमंडल के संभावित विस्तार के बारे में बात नहीं कर रहा हूं। यह काम राजधानी के कमोवेश बेरोजगार अंदरूनी जानकारी वाले ज्ञानी लोगों के लिए छोड़ा हूं। मेरी रुचि दो ऐसी बातों में है जो विरोधाभासी नजर आती हैं लेकिन हैं नहीं। पहली बात यह कि भाजपा ने एक ऐसा राजनीतिक चमत्कार किया है कि वह लोक सभा में बहुमत से दूर रहने के बावजूद भारत को लगभग एकदलीय देश बनाने में कामयाब दिख रही है।

दूसरा चूँकि इसके लिए बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय दलों में विभाजन, उन्हें साथ लेने या नष्ट करने का सहारा लिया जा रहा है इसलिए कांग्रेस देश में इकलौता ऐसा विपक्ष है जो अक्षुण्ण है। ऐसे में भारतीय राजनीति द्विदलीय भी नजर आती है। यह एकदम सहज और सरल समीकरण होता अगर कांग्रेस एक मजबूत चुनौती नजर आती। ऐसी दो दलीय व्यवस्था भाजपा को रास आएगी क्योंकि उसे केवल मजबूत क्षेत्रीय दलों के सामने ही संघर्ष करना पड़ता है। उनमें से अधिकांश को उसने नष्ट कर दिया है और अब अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी के सामने चुनौती है।

यहां तीन सवाल पैदा होते हैं। पहला, मोदी-शाह की भाजपा कांग्रेस को इतना सहज प्रतिद्वंद्वी क्यों मानती है? दूसरा, कांग्रेस में क्या कमी है कि वह विश्वसनीय चुनौती नहीं बन पा रही? और तीसरा, कांग्रेस खुद को कैसे खड़ा कर सकती है?

पहले सवाल का जवाब आसान है: भाजपा चार इंजनों के सहारे आगे बढ़ रही है- कट्टर हिंदुत्व, उससे भी कट्टर राष्ट्रवाद, सक्षम और निष्पक्ष जनकल्याण और जबरदस्त अर्थोसंरचना विकास जो सबको नजर आ रहा है। कांग्रेस के पास इसकी विश्वसनीय काट नहीं है। और दूसरे सवाल का जवाब इसी में निहित है। कांग्रेस के मुताबिक अगर भाजपा सब कुछ गलत कर रही है तो आखिर वह सत्ता में आकर क्या करेगी?

अर्थव्यवस्था, सामरिक मुद्दों और रक्षा मामलों पर कांग्रेस का रुख भाजपा से अलग कैसे होगा? वह चीन, अमेरिका और पश्चिम एशिया से कैसे निपटेगी? रक्षा पर वह कितना खर्च करेगी? बीजेपी के विकल्प के रूप में इसका नजरिया क्या है? यह कहना कि बीजेपी ‘भ्रष्ट, विकृत पूंजीवादी है और राष्ट्रीय हित से



समझौता कर रही है’ राजनीतिक बयानबाजी के लिए तो ठीक है लेकिन आप अलग क्या करेंगे? यदि कांग्रेस खुद को एक विकल्प मानती है और चाहती है कि मतदाता भाजपा पर उसे तरजीह दें तो उसे बताना होगा कि वह भाजपा से अलग कैसे है? कांग्रेस को पहले इन सवालों का जवाब देना होगा। और फिर उन चार इंजनों का मुकाबला करना होगा जिनके बारे में हमने कहा था कि वे भाजपा के वाहन को चला रहे हैं।

पहला, हिंदुत्व। कांग्रेस को यहां भाजपा से होड़ करने की बात सोचनी भी नहीं चाहिए। यह भाजपा का ऐसा क्षेत्र है जहां कांग्रेस संघ नहीं लगा सकती। भले ही उसका शीर्ष नेतृत्व कितने ही मंदिरों का भ्रमण क्यों न कर ले? यहां तक कि शिवसेना ने भी हार मान ली। उद्धव ठाकरे ने एक बार दार्शनिक अंदाज में मुझसे कहा था कि बाला साहेब (उनके पिता) ने महाराष्ट्रवाद से हिंदूवाद की ओर रुख करके गलती की थी। इसलिए क्योंकि इससे नरेंद्र मोदी को शिवसेना के क्षेत्र में घुसने और उस पर कब्जा करने का अवसर मिल गया।

कल्याणकारी योजनाओं पर कांग्रेस दुनिया भर के वादे कर सकती है। उसने यह कर्नाटक और तेलंगाना में सफलतापूर्वक किया है। लेकिन अधोसंरचना के क्षेत्र में उसे समस्या होगी। इन वर्षों में उसने बहुत सी बड़ी परियोजनाओं का विरोध किया है। निकोबार परियोजना उनमें नवीनतम है। धर्म उसकी पहुंच से बाहर है और कल्याण और विकास के मामले में भावुकता से काम नहीं चल सकता। ऐसे में कांग्रेस के पास केवल राष्ट्रवाद का विकल्प ही बचता है।

कांग्रेस द्वारा राष्ट्रवाद का त्याग 2014 के बाद की उसकी राजनीति का सबसे रोचक पहलू है। इसके कुछ नेता यूरोप के पर्यावरणवादी नेताओं की तरह दिखने की कोशिश कर सकते हैं लेकिन वास्तविक कांग्रेस कभी भी अति उदार

शांतिवादियों की पार्टी नहीं रही है। इसी दल ने 1971 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पाकिस्तान को हराया और उसके दो टुकड़े कर दिए। इसी ने लाल बहादुर शास्त्री के प्रधानमंत्री रहते 1965 में पाकिस्तान को बुरी तरह पीछे पराजित किया जब वह कश्मीर पर कब्जा करने के इरादे से हमें जंग में घसीट ले गया था।

कांग्रेस ने पूर्वोत्तर विद्रोहों के खिलाफ भी कठोर संघर्ष किया। 5

मार्च 1966 को भारतीय वायुसेना को आइजोल की घेराबंदी तोड़ने और विद्रोहियों को रोकने के लिए भेजा गया। उस समय विद्रोही खजाने, असम राष्ट्रफ्ल्स बटालियन मुख्यालय और डिटी कमिश्नर के आवास पर कब्जा करने की स्थिति में थे। अब भले ही कांग्रेस याद नहीं करना चाहती लेकिन यह तथ्य है कि उसने ऑपरेशन ब्लूस्टार में सेना को स्वर्ण मंदिर परिसर में भेजा, जिसके बाद ब्लैक थंडर 1 और 2 हुए।

पहले दो अभियान इंदिरा गांधी के समय हुए और अंतिम दो उनके बेटे राजीव गांधी के समय। इसके बाद कांग्रेस ने कश्मीर घाटी और पंजाब (1991-95) में आतंकवाद और अलगाववाद के दो सबसे रकरंजित चरणों का मुकाबला किया। यह पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व में हुआ। यहां तक कि नागा विद्रोहियों के साथ युद्ध भी नेहरू के समय में ही सबसे कठोर तरीकों से लड़ा गया। उन्होंने गोवा को मुक्त कराने के लिए भी सेना भेजी।

कांग्रेस को अपने गैर-गांधी/नेहरू प्रधानमंत्री भले ही पसंद न हों लेकिन तथ्य यह है कि उसने कभी भी ऐसा नेता नहीं दिया जो राष्ट्रीय सुरक्षा पर कमजोर रहा हो। इसलिए यह आश्चर्यजनक है कि कठोर राष्ट्रवाद की मूल पार्टी आज अपना रास्ता छो चुकी है। उरी के बाद हुई सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद बालाकोट बमबारी, पूर्वी लद्दाख/गलवान संकट से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक कांग्रेस ने केवल सवाल उठाकर और सबूत मांगकर अपने उद्देश्य को काफी नुकसान पहुंचाया है। कुछ मामलों में यह राहुल गांधी के करीबी लोगों ने किया। जैसे सैम पित्रोदा ने बालाकोट पर, दिग्विजय सिंह ने सर्जिकल स्ट्राइक पर। अब खुद राहुल यही कर रहे हैं। उनके बयान जैसे ‘चीनी हमारे सैनिकों को पीट रहे हैं’ या ‘उन्होंने हमारी 2,000 किमी

राजनीति में सिद्धांतों के योद्धा माने जाते थे पूर्व पीएम चंद्रशेखर

अनन्या मिश्रा

भारत के 8वें प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर का 08 जुलाई को निधन हो गया था। किसान परिवार से ताड़ुक रखने वाले पूर्व पीएम चंद्रशेखर युवा तुर्क और क्रांतिकारी जोश के नाम से भी फेमस रहे। बता दें कि प्रधानमंत्री बनने से पहले वह किसी राज्य या केंद्र में मंत्री पद पर नहीं रहे थे। लेकिन फिर भी चंद्रशेखर की आवाज संसद से लेकर सड़क तक गूंजती थी। भले ही उनका बतौर प्रधानमंत्री कार्यकाल छोटा रहा, लेकिन उससे कहीं ज्यादा लंबा उनका राजनीतिक सफर रहा है।

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के इश्राहिमपट्टी गांव में 17 अप्रैल 1927 चंद्रशेखर का जन्म हुआ था। शुरूआती शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से राजनीति शास्त्र में पोस्ट-



ग्रेजुएशन किया। उन्होंने युवावस्था में ही सामाजिक न्याय और समानता के लिए आवाज उठाना शुरूकर दिया था। साल 1950 में वह समाजवादी आंदोलन से जुड़े और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के जरिए राजनीतिक यात्रा शुरू की थी।

साल 1962 में वह पहली बार बलिया से लोकसभा के लिए चुने गए थे। तब से चंद्रशेखर की भारतीय राजनीति में उपस्थिति लगातार मजबूत होती चली गई।

साल 1960 और 1970 के दशक में वह कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इस दौरान वह युवा तुर्क के रूप में उभरे। उन्होंने गरीबों और वंचितों के लिए जोरदार आवाज उठाई। समाजवादी नीतियों और बैंकों के राष्ट्रीयकरण जैसे कदमों के समर्थन ने चंद्रशेखर् को जनता के बीच लोकप्रिय बनाया।

साल 1975 में आपातकाल के समय उन्होंने इंदिरा गांधी की नीतियों का विरोध किया और जेल भी गए। लेकिन इस कठिन समय में भी उनके सिद्धांतों के प्रति निष्ठा अडिग रही। साल 1977 में चंद्रशेखर ने जनता पार्टी के गठन में अहम भूमिका निभाई। साल 1995 में चंद्रशेखर को उक्तूष्ट सांसद का पुरस्कार दिया गया। तभी तमाम सियासी उथल-पुथल के बीच 10 नवंबर 1990 को चंद्रशेखर ने देश के 8वें पीएम के तौर पर शपथ ली।

हालांकि उनका कार्यकाल सिर्फ 7 महीने का रहा। पीएम के तौर पर चंद्रशेखर का कार्यकाल राजनीति के सबसे अस्थिर दौरों में से एक था। इस समय देश सामाजिक अशांति, आर्थिक संकट और राजनीतिक अनिश्चितता से जूझ रहा था। चंद्रशेखर की सरकार को कांग्रेस के बाहरी समर्थन पर निर्भर रहना पड़ा। उन्होंने अपने संक्षिप्त कार्यकाल में कई निर्णायक कदम भी उठाए।

साल 1990-91 में चंद्रशेखर पर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जासूसी कराने का आरोप लगा था। इन आरोपों की वजह से कांग्रेस ने अपना समर्थन वापस ले लिया। जिस कारण उनकी सरकार अल्पमत में आ गई। वहीं 06 मार्च 1991 को उन्हें पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा।

वहीं 08 जुलाई 2007 को चंद्रशेखर का निधन हो गया था।

पीएम मोदी के इंडोनेशिया यात्रा के वैश्विक निहितार्थ

नीरज कुमार दुवे

जकार्ता की सरजमीं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हुआ भव्य स्वागत बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत की बढ़ती रणनीतिक हैसियत का खुला संकेत था। साथ ही जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने के लिए खुद इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रानोवो सुबियांतो हवाई अड्डे पर पहुंचे वह दोनों देशों के बीच की घनिष्ठता को दर्शाता है। खास बात यह भी रही कि जब प्रधानमंत्री का विमान इंडोनेशिया के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ, तो इंडोनेशिया वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने उनके विमान के साथ उड़ान भरी। इतिहास

हम आपको बता दें कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में तेज होती कूटनीतिक खींचतान, समुद्री प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक गठबंधनों की नई बिसात के बीच मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड यात्रा को भारत की उभरती वैश्विक रणनीति के निर्णायक अभियान के तौर पर देखा जा रहा है। मोदी का जकार्ता से लेकर मेलबर्न और ऑकलैंड तक का यह दौरा सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार नहीं, बल्कि हिंद महासागर और दक्षिण प्रशांत में भारत की बढ़ती राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक मौजूदगी का प्रभावशाली प्रदर्शन भी माना जा रहा है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी को इस यात्रा का पहला पड़ाव इंडोनेशिया है, जो भारत की एकट ईस्ट नीति और महासागर दृष्टि का सबसे अहम स्तंभ बनकर उभरा है। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा इसलिए विशेष महत्व रखती है क्योंकि वर्ष 2018 में दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा मिलने के बाद अब दोनों पक्ष प्रतीकात्मक मित्रता से आगे बढ़कर ठोस सामरिक और आर्थिक परिणामों की दिशा में बढ़ना चाहते हैं।

देखा जाये तो इंडोनेशिया की भौगोलिक स्थिति भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मलक्का जलडमरूमध्य के आसपास स्थित यह देश विश्व व्यापार की धुरी माना जाता है। दुनिया के सबसे



व्यस्त समुद्री व्यापारिक मार्गों पर स्थित होने के कारण जकार्ता हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन की राजनीति का केंद्रीय खिलाड़ी बन चुका है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग का बढ़ना सीधे तौर पर चीन की बढ़ती समुद्री महत्वाकांक्षाओं के मुकाबले सामरिक संतुलन तैयार करने की दिशा में देखा जा रहा है।

मोदी और प्रबोवो के बीच होने वाली बातचीत में रक्षा सहयोग, समुद्री निगरानी, डिजिटल संपर्क, व्यापार और महत्वपूर्ण खनिजों पर व्यापक चर्चा होगी। दुनिया के निकेल भंडार का बड़ा हिस्सा इंडोनेशिया के पास है। इसके अलावा तांबा, टिन और बॉक्साइट जैसे खनिज भी वहां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। भारत के विद्युत वाहन, हरित ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्र के लिए यह साझेदारी बेहद अहम मानी जा रही है। देखा जाये तो यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की तकनीकी और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा में भारत की रणनीतिक तैयारी का हिस्सा है।

रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के रिस्ते लगातार गहरे हुए हैं। गरुड़ शक्ति और समुद्र शक्ति जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यासों ने सैन्य तालमेल को नई मजबूती दी है। ब्रम्होस मिसाइल प्रणाली को लेकर चल रही चर्चाएं भी दोनों देशों के बीच बढ़ते भरोसे का संकेत मानी जा रही हैं। मलक्का क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंद महासागर में किसी भी सामरिक अस्थिरता का सीधा असर भारत की ऊर्जा और व्यापारिक आपूर्ति पर पड़

सकता है।

मोदी की इंडोनेशिया यात्रा का सांस्कृतिक पक्ष भी बेहद प्रभावशाली रहने वाला है। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ योग्यकर्ता स्थित प्रांबन मंदिर परिसर जाएंगे, जो भगवान शिव को समर्पित दक्षिण पूर्व एशिया के सबसे बड़े मंदिर परिसरों में शामिल है। यह यात्रा भारत और इंडोनेशिया के हजारों वर्षों पुराने सांस्कृतिक और सभ्यतागत रिश्तों को नई कूटनीतिक ऊर्जा देने का प्रयास भी मानी जा रही है।

इंडोनेशिया के बाद प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे, जहां उनकी बातचीत का केंद्र हिंद प्रशांत क्षेत्र की सामरिक स्थिरता और आर्थिक साझेदारी होगी। पिछले पांच वर्षों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों ने जिस तेजी से नई ऊंचाई हासिल की है, वह वैश्विक राजनीति में बदलते समीकरणों का स्पष्ट संकेत है। अब दोनों देश केवल मित्र राष्ट्र नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदार के रूप में उभर चुके हैं। इतिहास

मेलबर्न में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच रक्षा, व्यापार, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। भारत ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते ने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति दी है। भारतीय निर्यातकों को लगभग पूर्ण शुल्क मुक्त पहुंच मिलने के बाद व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

इस साझेदारी का सबसे बड़ा सामरिक पक्ष यह है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया मिलकर चीन केंद्रित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकल्प तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग भविष्य की भू आर्थिक प्रतिस्पर्धा में दोनों देशों को मजबूत स्थिति में ला सकता है।

रक्षा सहयोग भी इस रिस्ते की सबसे मजबूत धुरी बन चुका है। मालाबार नौसैनिक अभ्यास, वार्षिक भारत कूट मंत्रिस्तरीय संवाद और क्रॉड मंच पर

बढ़ती सक्रियता हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाती है। समुद्री सुरक्षा, साइबर सहयोग और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में बढ़ती साझेदारी यह स्पष्ट कर रही है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अब क्षेत्रीय स्थिरता के साझा संरक्षक बनते जा रहे हैं।

मेलबर्न में भारतीय समुदाय के साथ होने वाला मोदी का संवाद भी राजनीतिक और कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय प्रवासी अब दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक सेतु बन चुके हैं। शिक्षा और पेशेवर अवसरों के माध्यम से भारतीय युवाओं की बढ़ती मौजूदगी ऑस्ट्रेलिया में भारत की साख को मजबूत कर रही है।

प्रधानमंत्री की तीन देशों की यात्रा का अंतिम चरण न्यूजीलैंड रहेगा, जो ऐतिहासिक और रणनीतिक दोनों दृष्टियों से बेहद अहम माना जा रहा है। लगभग चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री को नई द्विपक्षीय यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता नई आर्थिक संभावनाओं का द्वार खोल चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य, समुद्री सुरक्षा और हिंद प्रशांत स्थिरता जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय वस्तुओं को पूर्ण शुल्क मुक्त पहुंच देने का फैसला भारत के लिए बड़ी आर्थिक उपलब्धि माना जा रहा है। वहीं भारत ने अपनी कृषि और डेयरी क्षेत्रों की सुरक्षा करने हुए संतुलित व्यापार नीति अपनाकर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह आर्थिक विस्तार के साथ घरेलू हितों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। न्यूजीलैंड द्वारा भारत में बड़े निवेश की प्रतिबद्धता इस यात्रा का सबसे बड़ा आर्थिक संदेश बनकर उभर सकती है। नवीकरणीय ऊर्जा, आधारभूत ढांचा और उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी में संभावित निवेश भारत की विकास रणनीति को नई गति दे सकता है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता और आपदा राहत सहयोग पर भी तेजी से काम हो रहा है।

दुर्गा एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है सबसे शक्तिशाली

मां दुर्गा का स्वरूप तीनों लोकों में अलौकिक है। दुर्गा रूप में मां सकारात्मक ऊर्जा वायुमंडल में प्रवाहित करती हैं। वह शक्ति (नारी शक्ति/ ऊर्जा) का प्रतीक हैं। मां दुर्गा ने इस पृथ्वी से नकारात्मक ऊर्जा यानी दानवों का संहार किया। मां दुर्गा को आदि शक्ति कहा जाता है, त्रिदेवियां (देवी पार्वती, देवी लक्ष्मी और देवी सरस्वती) भी मां आदिशक्ति का ही रूप हैं। मान्यता है कि जब मां दुर्गा महिषासुर जैसे भयानक दानव से युद्ध करने जा रही थीं, तब त्रिदेवों के साथ देवताओं ने भी उन्हें अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए थे।

ये सभी शस्त्र अपने आप में दुर्लभ थे। तब मां ने इन्हीं शस्त्रों की सहायता से इस दैत्य का संहार किया। दरअसल दुर्गा, एक संस्कृत शब्द है। जिसका अर्थ होता है सबसे शक्तिशाली। इसलिए मां दुर्गा सभी देवी-देवताओं में शक्तिशाली और शक्ति की देवी मानी गई हैं। मां दुर्गा का नाम मात्र लेने से नकारात्मक शक्तिया और दोष-अहंकार, ईर्ष्या, पूर्वाग्रह, घृणा, क्रोध, लालच और स्वार्थ भाग जाते हैं।

वेबसाइट इंडिया करंट्स में सत्या कालरा लिखते हैं, ‘मां दुर्गा के आठ हाथ हैं जिनमें आठ तरह तरह के शस्त्र हैं। हर शस्त्र और हाथों की मुद्राएं जिंदगी के लिए कुछ न कुछ सीख देतीं है।’ दुर्गा के ऊपरी और दाएं हाथ में चक्र है। यह धर्म चक्र है। यह हमें अपने कर्तव्य और जिंदगी की जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से पूरा करने की सीख देता है। मां दुर्गा के ऊपरी बाएं हाथ में शंख है। यह चिन्ह कहता है कि हमें संतोष के साथ खुशी और हंसमुख रहते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

मां दुर्गा की तलवार उन्मूलन का प्रतीक है। हमें भेदभाव और हमारे बुरे गुणों दूर करना चाहिए। निचले हाथ में मां दुर्गा धनुष और तीर लिए हैं। यह चिन्ह हमें सीख देता है कि भगवान राम की तरह हमारा चरित्र होना चाहिए। जीवन कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है लेकिन हमें अपना धैर्य और चरित्र(मान-सम्मान) नहीं खोना चाहिए। मां दुर्गा के हाथ में कमल का होना प्रतीक है कि हम बाहरी दुनिया में मोह-माया रहित होकर जीवन जीना चाहिए। जैसे कमल, दलदल में खिलकर भी मुस्कुराता है। ठीक उसी तरह इस दलदल रूपी और त म । म

शिवलिंग की पूजा करने में कुछ ऐसी चीजें हैं जिससे शिवजी अति प्रसन्न होते हैं

शिव, महादेव, भोले शंकर या फिर नीलकंठ। भगवान शिव को न जाने कितने ही नामों से जाना जाता है। भगवान शिव के बारे में कहा जाता है कि वो विनाश के देवता है यानि सृष्टि में जब-जब पाप की अधिकता हो जाती है तो शिव प्रलय लीला द्वारा पुनः संसार का सृजन करते हैं। वहीं भगवान शिव की पसंद की बात करें तो उनकी पसंद अन्य देवताओं से काफी अलग है।

भगवान शिव के एक अन्य रूप ‘शिवलिंग’ भी कई मायनों में अलग है।शिवलिंग की पूजा करने में कुछ ऐसे रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है जो भगवान शिव को बहुत पसंद है। शिवलिंग को दूध से स्नान करवाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव को दूध से अभिषेक किया जाना बेहद पसंद है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवलिंग को दूध से स्नान क्यों करवाया जाता है। वास्तव में इसके पीछे भी एक कहानी है। समुद्र मंथन की पूरी कथा विष्णुपुराण और भागवतपुराण में वर्णित है। जिसमें एक कथा मिलती है। इस कथा के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान जब विष की उत्पत्ति हुई थी तो पूरा संसार इसके तीव्र प्रभाव में आ गया था। जिस कारण सभी लोग भगवान शिव की शरण में आ गए क्योंकि विष की तीव्रता को सहने की ताकत केवल भगवान शिव के पास थी। शिव ने बिना किसी भय के संसार के कल्याण हेतु विष पान कर लिया। विष की तीव्रता इतनी अधिक थी कि भगवान शिव का कंठ नीला हो गया। विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में

मां दुर्गा, की आराधना का पर्व नवरात्र इन दिनों भारतवर्ष में धूम-धाम से मनाया जा रहा है। इन नौ दिनों में शक्ति की आराधना, भक्ति से करने पर मां के भक्तों को मनोवांछित वर की प्राप्ति होती है। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव के बाद दशहरा आता है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दशहरा, भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण के साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाए जाते हैं।



विकारों से भरे संसार में अपनी मुस्कान नहीं खोना चाहिए। मां दुर्गा के हाथ में गदा, हनुमान जी जैसी शक्ति का प्रतीक है। हनुमानजी भक्ति और समर्पण का प्रतीक माने जाते हैं। इसीलिए हमें भी अपने जीवन में भक्ति और समर्पण का भाव रखना चाहिए। भक्ति और सर्वशक्तिमान की इच्छा के रूप में परिणाम स्वीकार करते हैं। मां दुर्गा के हाथ में त्रिशूल है। त्रिशूल साहस का प्रतीक है। त्रिशूल सीख देता है कि हम हमारे नकारात्मक गुणों का संहार कर जीवन में चुनौतियों का सामना करें। सफलता हमारे कदमों में होगी। मां दुर्गा के एक हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में होता है। इसका अर्थ है हमें अपनी और

दूसरों की गलतियों को माफ कर जिंदगी में आगे बड़ जाना चाहिए। मां दुर्गा को शेर की सवारी करते हुए दिखाया गया है। वह इसलिए कि मां शक्ति हैं। और बाघ/शेर असीमित शक्ति का प्रतीक है। वह जंगल का राजा है। यानि शक्ति सिर्फअसमित शक्ति के सानिध्य में ही रह सकती हैं। शेर के पर भी मां दुर्गा को बैठे हुए प्रतीकात्मक रूप में दिखाया जाता है। शेर दरअसल क्रोध, अहंकार, स्वार्थ के रूप में अनिर्यंत्रित पाशाविक प्रवृत्तियों को नष्ट करने का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि हम अपनी अच्छाईयों को नियंत्रित कर नकारात्मक शक्तियों(लालच, ईर्ष्या, इच्छा, आदि अन्य) का

संहार करें। मां दुर्गा अमूमन लाल साड़ी पहनती हैं। लाल रंग लाल कार्रवाई का प्रतीक है और लाल कपड़े बुराई को नष्ट करने के प्रतीक हैं। मानव जाति की रक्षा और उन्हें दानवों से बचाने के लिए मां हमेशा तत्पर रहती हैं। मां के पास सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है, जिससे वह नकारात्मक शक्तियों का नाश करती हैं। मां दुर्गा स्त्री में शक्ति का प्रतीक हैं। वह रचनात्मकता की मूर्ति हैं। उनके चेहरे की आभा से निकलता शुद्ध प्रकाश सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मां की आराधना और उपासना जो भी भक्त करता है। वह अपने जीवन में हमेशा विजयश्री हासिल करता है।

मन का सदेह

एक व्यक्ति की घड़ी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिडकी के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदेह आंखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घड़ी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कड़ाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबर्ड की सफाई करते हुए उसे वह घड़ी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपड़ों के साथ अपनी घड़ी कबर्ड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था।

व्यक्ति ने खिडकी से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : संदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते है।

विविध

भगतान वामन श्री हरि के पहले ऐसे अवतार थे जो मानव रुप में प्रकट हुए थे

हमारे वेदों में चार युगों का वर्णन मिलता है। ब्रहमाजी का एक दिन यानी चार वेदों का समय है। यह समय सौर वर्ष (12 माह से सौर वर्ष बनता है और सौर वर्ष का प्रथम दिन ‘मेघ’ होता है।) में उल्लेखित है। चार युगों में सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग आते हैं। त्रेतायुग दूसरा युग था जिसमें अधर्म का नाश करने के लिए भगवान विष्णु तीन अवतार लिए थे, जो क्रमशः वामन अवतार, परशुराम अवतार और श्रीराम अवतार के नाम से हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित हैं।

त्रेतायुग में भगवान विष्णु के पांचवें अवतार के रूप में वामन अवतार लिया गया था। पहले चार अवतार क्रमशः मत्स्य, कच्छप, वाराह और नृसिंह थे। वामन अवतार में उन्होंने राजा बलि से तीन पग जमीन मांग कर धरती की रक्षा की थी। छठवां अवतार भगवान ने परशुराम का लिया। इसके बाद भगवान श्रीराम के रूप में भगवान विष्णु इस धरती पर जन्मे थे।

वामन अवतार: भगवान वामन श्री हरि के पहले ऐसे अवतार थे जो मानव रूप में प्रकट हुए थे। उनके पिता वामन ऋषि और माता अदिति थीं। वह बौने ब्राहमण के रूप में जन्मे थे। वामन भगवान



को दक्षिण भारत में उपेन्द्र के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि वह इंद्र के छोटे भाई थे। भागवत पुराण के अनुसार भगवान विष्णु ने इंद्र का देवलोक में पुनः अधिकार स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। दरअसल देवलोक पर असुर राजा बली ने विजयश्री हासिल कर इसे अपने अधिकार में ले लिया था। राजा बली विरोचन के पुत्र और प्रहाद के पौत्र थे। उन्होंने अपने तप और पराक्रम के बल पर देवलोक पर विजयश्री हासिल की थी। राजा बलि महादानी राजा थे, उनके दर से कोई खाली हाथ नहीं लौटता था। यह बात जब वामन भगवान को पता चली तो वह एक बौने ब्राहमण के वेष में बली के पास

कृष्ण के गीता के उपदेश अर्जुन के अलावा विश्व में चार और लोग सुन रहे थे

पौराणिक कथा के अनुसार जिस समय भगवान श्री कृष्ण कुरुक्षेत्र की रणभूमि में पार्थ (अर्जुन) को गीता के निष्काम कर्मयोग का उपदेश दे रहे थे उस समय धनुर्धारी अर्जुन के अलावा इस उपदेश को विश्व में चार और लोग सुन रहे थे जिसमें पवन पुत्र हनुमान, महर्षि व्यास के शिष्य तथा धृतराष्ट्र की राजसभा के सम्मानित सदस्य संजय और बर्बरीक शामिल थे। आपको बताते चलें बर्बरीक घटोत्कच और अहिलावर्ष के पुत्र तथा भीम के पोते थे। जब महाभारत का युद्ध चल रहा था उस दौरान उन्हें भगवान श्री कृष्ण से वरदान प्राप्त था कि कौरवों और पाण्डवों के इस भयंकर युद्ध को देख सकते हैं जब गीता का उपदेश चल रहा उस दौरान पवन पुत्र

हनुमान अर्जुन के रथ पर बैठे थे जबकि संजय, धृतराष्ट्र से गीता आख्यान कर रहे थे। धृतराष्ट्र ने पूरी गीता संजय के मुख से सुनी वह वही थी जो कृष्ण उस समय अर्जुन से कह रहे थे। भगवान श्रीकृष्ण की मंशा थी कि धृतराष्ट्र को भी अपने कर्तव्य का ज्ञान हो और एक राजा के रूप में वो भारत को आने वाले विनाश से बचा लें। यही नहीं यही वह चार व्यक्ति थे जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को विश्वरूप के रूप में देखा। दसवें अध्याय के सातवें श्लोक तक भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी विभूति, योगशक्ति तथा उसे जानने के माहात्म्य का संक्षेप में वर्णन किया है। फिर ग्यारहवें श्लोक तक भक्तियोग तथा उसका फल बताया। अर्जुन ने भगवान की स्तुति करके

दिव्य विभूतियों तथा योगशक्ति का विस्तृत वर्णन करने के लिए श्री कृष्ण से प्रार्थना की। अपनी दिव्य विभूतियों के बारे में बताने के बाद आखिर में श्री कृष्ण ने योगशक्ति का प्रभाव बताया और समस्त ब्रहमांड को अपने एक अंश से धारण किया हुआ बताकर अध्याय समाप्त किया। यह सुनकर अर्जुन के मन में उस महान स्वरूप को प्रत्यक्ष देखने की इच्छा हुई तब ग्यारहवें अध्याय के आरम्भ में भगवान श्रीकृष्ण ने विश्वरूप के दर्शन के रूप में अपने को प्रत्यक्ष किया। इसी विराट स्वरूप में समस्त ब्रहमांड को समाहित देख अर्जुन मोह मुक्त हुए तथा युद्ध के विरक्ति भाव से मुक्त होकर महाभारत युद्ध का निष्ठापूर्वक संचालन कर कौरवों पर विजय प्राप्त की।

महाभारत के बाद कैसे खत्म हुआ श्रीकृष्ण सहित पूरा यदुवंश

अठारह दिन चले महाभारत के युद्ध में रक्तपात के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ। इस युद्ध में कौरवों के समस्त कुल का नाश हुआ, साथ ही पाँचों पांडवों को छोड़कर पांडव कुल के अधिकाँश लोग मारे गए। लेकिन इस युद्ध के कारण, युद्ध के पश्चात एक और वंश का खात्मा हो गया वो था ‘श्री कृष्ण जी का यदुवंश’।

गांधारी ने दिया था यदुवंश के नाश का श्राप : महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद जब युधिष्ठिर का राजतिलक हो रहा था तब कौरवों की माता गांधारी ने महाभारत युद्ध के लिए श्रीकृष्ण को दोषी ठहराते हुए श्राप दिया की जिस प्रकार कौरवों के वंश का नाश हुआ है ठीक उसी प्रकार यदुवंश का भी नाश होगा। गांधारी के श्राप से विनाशकाल आने के कारण श्रीकृष्ण द्वारिका लौटकर यदुवंशियों को लेकर प्रयास क्षेत्र में आ गये थे।

यदुवंशी अपने साथ अन्न-भंडार भी ले आये थे। कृष्ण ने ब्राहमणों को अन्नदान देकर यदुवंशियों को मृत्यु का इंतजार करने का आदेश दिया था। कुछ दिनों बाद महाभारत-युद्ध की चर्चा करते हुए सात्यकि और कृतवर्मा में विवाद हो गया। सात्यकि ने गुस्से में आकर कृतवर्मा का सिर काट दिया। इससे उनमें आपसी युद्ध भडक उठा और वे समूहों में विभाजित होकर एक-दूसरे का संहार करने लगे।

इस लड़ाई में श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न और मित्र सात्यकि समेत सभी यदुवंशी मारे गये थे, केवल बळ और दारुक ही बचे रह गये थे। यदुवंश के नाश के बाद कृष्ण के ज्येष्ठ भाई बलराम समुद्र तट पर बैठ गए और एकाग्रचित्त होकर

परमात्मा में लीन हो गए। इस प्रकार शेषनाग के अवतार बलरामजी ने देह त्यागी और स्वधाम लौट गए।

बहेलिये का तीर लगने से हुई श्रीकृष्ण की मृत्यु बलराम जी के देह त्यागने के बाद जब एक दिन श्रीकृष्ण जी पीपल के नीचे ध्यान की मुद्रा में बैठे हुए थे, तब उस क्षेत्र में एक जरा नाम का बहेलिया आया हुआ था।

जरा एक शिकारी था और वह हिरण का शिकार करना चाहता था। जरा को दूर से हिरण के मुख के समान श्रीकृष्ण का तलवा दिखाई दिया। बहेलिए ने बिना कोई विचार किए वहीं से एक तीर छोड़ दिया जो कि श्रीकृष्ण के तलवे में जाकर लगा।

जब वह पास गया तो उसने देखा कि श्रीकृष्ण के पैरों में उसने तीर मार दिया है। इसके बाद उसे बहुत पश्चाताप हुआ और वह क्षमायाचना करने लगा। तब श्रीकृष्ण ने बहेलिए से कहा कि जरा तू डर मत, तूने मेरे मन का काम किया है।

अब तू मेरी आज्ञा से स्वर्गलोक प्राप्त करेगा। बहेलिए के जाने के बाद वहां श्रीकृष्ण का सारथी दारुक पहुंच गया। दारुक को देखकर श्रीकृष्ण ने कहा कि वह द्वारिका जाकर सभी को यह बताए कि पूरा यदुवंश नष्ट हो चुका है और बलराम के साथ कृष्ण भी स्वधाम लौट चुके हैं। अतः सभी लोग द्वारिका छोड़ दो, क्योंकि यह नगरी अब जल मग्न होने वाली है।

मेरी माता, पिता और सभी प्रियजन इंद्रप्रस्थ को चले जाएं। यह संदेश लेकर दारुक वहां से चला गया। इसके बाद उस क्षेत्र में सभी देवता और स्वर्ग की अप्सराएं, यक्ष, किन्नर, गंधर्व आदि आए और



उन्होंने श्रीकृष्ण की आराधना की। आराधना के बाद श्रीकृष्ण ने अपने नेत्र बंद कर लिए और वे सशरीर ही अपने धाम को लौट गए। श्रीमद भागवत के अनुसार जब श्रीकृष्ण और बलराम के स्वधाम गमन की सूचना इनके प्रियजनों तक पहुंची तो उन्होंने भी इस दुख से प्राण त्याग दिए।

देवकी, रोहिणी, वसुदेव, बलरामजी की पत्नियां, श्रीकृष्ण की पटरानियां आदि सभी ने शरीर त्याग दिए। इसके बाद अर्जुन ने यदुवंश के निमित्त पिण्डदान और श्राद्ध आदि संस्कार किए।

इन संस्कारों के बाद यदुवंश के बचे हुए लोगों को लेकर अर्जुन इंद्रप्रस्थ लौट आए। इसके बाद

कोई भी शुभ कार्य करने से पहले इन विशेष मुहूर्त का ध्यान रख सकते हैं



कोई भी शुभ कार्य करने से पहले हम भारतीय मुहूर्त जरूर देखते हैं। मुहूर्त देखने का चलन सदियों से चला आ रहा है। यदि आप स्वयं का व्यवसायिक, औद्योगिक या फिर किसी भी तरह की मशीन को स्थापित करना चाहते हैं तो इन विशेष मुहूर्त का ध्यान रख सकते हैं। औद्योगिक मुहूर्त कुटीर, लघु और भारी उद्योगों के शुभारंभ के लिए अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा नक्षत्र शुभ माने गए हैं। मशीन स्थापना मुहूर्त सर्वार्थ सिद्धि योग, गुरु पुष्य योग, रवि पुष्य योग और रवि योग में मशीन स्थापना शुभ होता है। इसके अलावा व्यक्ति की चंद्र राशि व गोचर के चंद्रमा को ध्यान में रखते हुए लग्न शुद्धि पर विचार करना चाहिए।

व्यवसायिक मुहूर्त मुहूर्त के मूलभूत सिद्धांत वहीं रहते हैं, जो सदियों से चले आ रहे हैं। मुहूर्त लगन में चंद्रमा 6,8,12 में नहीं होना चाहिए। यानी अगर सरल शब्दों में कहें तो कोई भी शुभ कार्य करते समय शुभ राशि से गोचर का चंद्रमा 4,8,12 में नहीं होना चाहिए। चैत्र और पौष माह में कार्य वर्जित माने गए हैं। इसलिए वर्जित योगों व भद्रा आदि में कोई शुभ कार्य आरंभ न करें। रिक्ता तिथि यानी 4,9,14 में शुभारंभ नहीं करना चाहिए। मंगलवार और बुधवार छोड़कर सभी वार शुभ रहते हैं। लोहा, कोयला और ज्योतिष कार्य शनिवार को भी किया जा सकता है। नई दुकान, शोरूम व कार्यालय खोलने के लिए अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, अनुराधा, उत्तराषाढा, उत्तराभाद्रपद व रेवती नक्षत्र शुभ हैं।

भगवान राम भारत की आत्मा के स्रोत हैं: योगी

लखनऊ। एक तरफ राम मंदिर में चढ़ावा



चोरी को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक जारी है, दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में कहा कि भारत की आत्मा सनातन धर्म में बसती है और श्रीराम भारत की आत्मा के मूल स्रोत हैं, उन्होंने कहा कि राम का मतलब राष्ट्र है, वह भारत की आत्मा के स्रोत हैं, सीएम योगी ने कहा कि आज जो भव्य अयोध्या और श्रीराम मंदिर देश देख रहा है, वह अशोक सिंघल के संकल्प और सपने का परिणाम है। 1980 और 1990 के दशक में राम मंदिर आंदोलन के दौरान पूरे देश में एक ही नारा गुंजाता था- रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे, सीएम योगी ने कहा कि उस समय एक और नारा युवाओं में जोश भरता था कि मंदिर के काम न आए, ये जवानों बेकार है, उन्होंने कहा कि उस दौर के युवाओं ने अशोक सिंघल के नेतृत्व में पूरे देश में राम मंदिर आंदोलन का शंखनाद किया।

सता में बैठे लोग खजाने के लालच में अंधे हो गए: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष



अखिलेश यादव ने राम मंदिर चंदा विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है, उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या में लोगों की धार्मिक आस्था और भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, ऋष्टक के भीतर सत्ता और नियंत्रण की लड़ाई चल रही है, लोगों की आस्था को नजरअंदाज किया जा रहा है, लखनऊ में पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों की बैठक के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि राम मंदिर चंदा विवाद ने भाजपा के अंदर चल रही खींचतान को सामने ला दिया है, उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व लोगों की धार्मिक आस्था की रक्षा करने के बजाय अपने अंदरूनी विवादों में उलझा हुआ है, मौजूदा विवाद सत्ताधारी दल के भीतर नियंत्रण की लड़ाई को उजागर करता है, अखिलेश ने आरोप लगाया, हमारी आस्था और भक्ति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, सब जानते हैं कि क्या हो रहा है, फिर भी वे चुप हैं।

एमपी वक्फ बोर्ड में पहली बार 2 हिंदू सदस्य शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के पिछड़ा वर्ग

और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने राज्य के वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन किया है, इसमें पहली बार दो हिंदू सदस्यों को शामिल किया है, एक गजट अधिसूचना के अनुसार, डॉ सनवर पटेल को 10 सदस्यीय मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, बोर्ड में हिंदू सदस्यों के तौर पर मनोज मलपानी और अनिमेष भार्गव को शामिल किया गया है, सरकार के एक अधिकारी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि मध्य प्रदेश नए अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है, नए वक्फ बोर्ड में पूर्व केंद्रीय मंत्री और मणिपुर की राज्यपाल रहें नजमा हेपतुल्ला, भोपाल उत्तर सीट से विधायक आतिफ अकील विधायक, उज्जैन से फैजान खान, इंदौर की फातिमा चौधरी, भोपाल बैरसिया से पार्श्व शाइस्ता सुल्तान, रतलाम की शबाना खान, इंदौर के मनोज माधवपानी, गुना राघोगढ़ के अनिमेश भार्गव और आयुक्त पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण को सदस्य बनाया गया है।

चीन ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी से मिसाइल की लॉन्च, अमेरिका तक मार

बीजिंग। चीन ने प्रशांत महासागर में परमाणु



हथियार ले जाने वाली रणनीतिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। चीन ने कहा है कि इस मिसाइल को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी से मिसाइल को लॉन्च किया है और इसने अपने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। चीन की नौसेना ने कहा है कि लंबी दूरी की बैलिस्टिक

मिसाइल को एक डमी ट्रेनिंग वॉरहेड में लगाया गया था और इसे सोमवार दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर लॉन्च किया गया। चीन ने इस मिसाइल टेस्ट को नियमित सैन्य प्रशिक्षण का हिस्सा बताया और कहा कि मिसाइल खुले समुद्र में पहले से तय इलाके में गिरी। चीन के इस परमाणु मिसाइल परीक्षण पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जापान जैसे देशों ने कड़ी आपत्ति जताई है। इसके अलावा इस टेस्ट ने इंडो-पैसिफिक देशों को भी चिंता में डाल दिया है।

पहलगाम हमले में हाफिज सईद के खिलाफ साप्लीमेंट्री चार्जशीट

नईदिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले की जांच में



एनआईए यानी राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ा कदम उठाया है, एजेंसी ने पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा और उसके प्रॉक्सी संगठन टीआरएफ के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ जम्मू की स्पेशल एनआईए कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें उस पर भारत के खिलाफ साजिश रचने और सीमा पर से आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप लगाए गए हैं, हाफिज सईद पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और सीमा पर से साजिश रचने का आरोप है, बीएनएस 2023 औरयूएपीए की कई धाराओं के तहत आरोप तय किए गए हैं, चार्जशीट में पाकिस्तान की साजिश, हाफिज सईद की भूमिका और वैज्ञानिक जांच के सबूत शामिल हैं, गैर-कानूनी गतिविधियां अधिनियम , 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं, एनआईए ने चार्जशीट में आरोपी पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और सीमा पर से साजिश रचने से जुड़ी दंडात्मक धाराएं भी लगाई हैं, 15 दिसंबर 2025 को एनआईए ने पहली 1,597 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी।

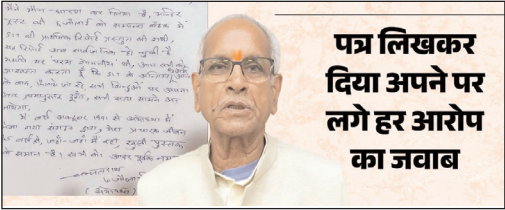
चढ़ावा चोरी मामले में चंपत ने तोड़ी चुप्पी, कहा

एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट के बाद दूंगा हर आरोप का जवाब

अयोध्या। राम मंदिर के दानपात्र से चढ़ावा चोरी के मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। ट्रस्ट की बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार किए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को उन्होंने रामभक्तों के नाम एक पत्र जारी कर अपनी बात रखी।

अपने पत्र में चंपत राय ने कहा कि 7 जून 2026 को राम मंदिर परिसर के दानपात्र की गणना के दौरान हुई चोरी की घटना के बाद तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं और उन पर व्यक्तिगत रूप से अनेक निराधार आरोप लगाए गए हैं। इसी कारण उन्होंने अब तक मौन धारण किया था।

उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जो अब सार्वजनिक हो चुकी है। हालांकि यह रिपोर्ट परम गोपनीय थी। उन्होंने रामभक्तों को आश्स्त करते हुए कहा कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ लगाए जा रहे सभी आरोपों और उठाए गए हर बिंदु पर क्रमवार जवाब देंगे। उनका दावा है कि अंतिम रिपोर्ट के बाद पूरा सच सामने आ जाएगा। पत्र में चंपत राय ने अपने सार्वजनिक जीवन का भी उल्लेख किया। उन्होंने लिखा कि अक्टूबर 1991 में उन्हें संगठन द्वारा अयोध्या भेजा गया था और उनका प्रचारक जीवन 45 वर्षों का रहा है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां उन्होंने कार्य किया, उनका जीवन एक खुली पुस्तक की तरह रहा है। अंत में उन्होंने सभी को आदरपूर्वक नमन किया।



पत्र लिखकर दिया अपने पर लगे हर आरोप का जवाब

संतों ने माना इस्तीफा स्वीकार्य करना उचित फैसला

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर रामनगरी के संतों ने मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की। संतों ने कहा कि जो भी निर्णय हुआ, वह परिस्थितियों के अनुरूप उचित है। साथ ही उन्होंने चंपत राय को पूरी तरह निर्दोष बताते हुए कहा कि उनका इस्तीफा नैतिकता के आधार पर दिया गया कदम है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। संतों ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सशक्त एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में जो नई व्यवस्था की जा रही है, उसका भी स्वागत है। हालांकि उन्होंने मांग उठाई कि मंदिर की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र निगरानी समिति का गठन किया जाए, जिसमें अयोध्या के वरिष्ठ संतों को प्रमुखता से शामिल किया जाए।

संतों का कहना था कि यदि अयोध्या के संतों की भागीदारी नहीं बढ़ाई गई तो भविष्य में भी इस प्रकार के विवाद और कलंक लगते रहेंगे। उन्होंने यह भी मांग की कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में रामानंदचार्य

परंपरा का समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। संतों ने कहा कि जहां संतों का मार्गदर्शन और सहभागिता होती है, वहां धर्म की स्थापना और व्यवस्थाओं में पारदर्शिता बनी रहती है। संतों ने यह भी कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के गोविंद देवगिरी अपनी जिम्मेदारियां से बच रहे हैं। यदि चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय की लापरवाही है तो कहीं ना कहीं गोविंद देव गिरी की भी लापरवाही है ऐसे में इस्तीफा केवल चंपत राय से ही क्यों लिया गया।

एसआईटी की रिपोर्ट में यह बातें हुई साफ , 70 बार चोरी कैमरे में कैद

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भेंट-चढ़ावा गणना कक्ष में हुई चोरी के मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पहली बार सार्वजनिक हुई है। यह रिपोर्ट श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में प्रस्तुत की गई। एसआईटी ने प्रथम दृष्टया माना है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भेंट-चढ़ावा की गणना प्रक्रिया के दौरान चोरी और गबन की घटनाएं हुईं। 27 अप्रैल से पहले भी चोरी और गबन होता रहा, लेकिन उस अवधि का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न होने के कारण वास्तविक नुकसान का आकलन संभव नहीं हो सका।आरोपियों के बयान और बैंक खातों में मिली आय से अधिक धनराशि से यह संकेत मिले हैं। उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में गणना कर्मियों

की ओर से करीब 70 बार नोटों की गड़बुनां और खुले नोट छिपाने की घटनाएं दर्ज मिलीं। रिपोर्ट में न केवल चोरी और गबन की घटनाओं की पुष्टि की गई है, बल्कि ट्रस्ट, बैंक, गणना कक्ष की निगरानी व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और प्रशासनिक जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। एसआईटी ने स्पष्ट किया है कि यह केवल प्रारंभिक जांच रिपोर्ट है, जबकि विस्तृत जांच अभी जारी है।

एसआईटी ने फिर भी चोरी इसलिाई संभव हुई क्योंकि निर्धारित सुरक्षा उपायों का प्रभावी पालन नहीं किया गया। प्रवेश और निकास पर तलाशी, निर्धारित वेशभूषा, निजी सामान पर प्रतिबंध, हुंडीवार गणना, मूल्यवर्गवार अभिलेखीकरण और प्रभावी निगरानी जैसी व्यवस्थाएं व्यवहार में लागू नहीं थीं। ट्रस्ट और बैंक दोनों के प्रतिनिधि मौजूद रहते थे, फिर भी अपराध लगातार होता रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 20 सितंबर 2024 को ट्रस्ट और बैंक के बीच हुई सहमति में गणना कक्ष में आने-जाने वालों के लिए सख्त व्यवस्था थी। लेकिन छह फरवरी 2025 को जारी एसओपी में अनिवार्य तलाशी की व्यवस्था बदलकर नियमित अथवा रैंडम तलाशी कर दी गई।

एसआईटी ने जांच रिपोर्ट के आधार पर आठ लोगों पर एफआईआर की संस्तुति की थी। इसके अलावा एसआईटी ने गणना कक्ष प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव, गणना कक्ष में मौजूद अन्य पर्यवेक्षणीय कर्मियों तथा रामशंकर यादव उर्फ टिट्ठू के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना की संस्तुति की है।

चीमा ने आने वाले राज्य चुनावों में आप के प्रदर्शन पर भरोसा जताते हुए कहा कि 2027 में आम आदमी पार्टी पंजाब में बड़ी जीत हासिल करेगी। वहीं, पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर राजा वडिंग ने मंगलवार को पार्टी में मतभेद की बातों को खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने माना कि कुछ नेता पहले से तय कामों की वजह से पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल नहीं हो पाए थे।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए वारिंग ने कहा कि कोई कह रहा है कि तीन-चार ज़िला अध्यक्ष नहीं आए, वे अमरनाथ यात्रा पर गए हैं, आप उन्हें फ़ोन करके पूछ सकते हैं। जिस तरह से यह बैठक हुई है, उसमें कम से कम एक-दो लोग तो शामिल नहीं हो पाए होंगे। लोग मसालेदार खबरें चाहते हैं, लेकिन मैं ऐसी कोई बात नहीं बता सकता क्योंकि कहने के लिए कुछ है ही नहीं। उन्होंने आगे कहा कि सभी नेता एकजुटता दिखाते हुए एक साथ सीटों का संवोधित करेंगे; पंजाब कांग्रेस के सभी नेता एक ही मंच पर मौजूद होंगे।

वारिंग की यह टिप्पणी तब आई जब कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बैठक में शामिल न होने का फ़ैसला किया और राज्य इकाई के लिए कांग्रेस आलाक़मान द्वारा चुने गए नेताओं पर आपत्ति जताने के लिए अपने वफादारों के एक समूह के साथ दिल्ली जाने की योजना बनाई।



का फ़ैसला किया और राज्य इकाई के लिए कांग्रेस आलाक़मान द्वारा चुने गए नेताओं पर आपत्ति जताने के लिए अपने वफादारों के एक समूह के साथ दिल्ली जाने की योजना बनाई।

भूपेश बघेल की पंजाब बैठक से

वरणजीत वन्नी नदारद

पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी कलह और बढ़ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी और उनके समर्थक पार्टी अध्यक्ष अमरिंदर राजा वडिंग को हटाने की मांग पर अड़े हुए हैं। मंगलवार को एआईसीसी के राज्य प्रभारी भूपेश बघेल द्वारा बुलाई गई पंजाब कांग्रेस की एक अहम बैठक में जालंधर के सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी शामिल नहीं हुए, जिससे राज्य इकाई के भीतर बढ़ती दारार का संकेत मिलता है। सुखजिंदर सिंह रंधावा भी बैठक में मौजूद नहीं थे। इससे पहले सोमवार को बघेल ने चुनाव समिति के चेयरमैन अमर सिंह, वियक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के साथ अलग-अलग बैठकें कीं और उनसे फ़ोडबैक लिया। चन्नी और उनके समर्थकों ने इस बैठक से दूरी बनाए रखी, जिससे सीनियर नेताओं के बीच अंदरूनी नाराजगी सामने आई।

स्टोल प्रमुख समाचार

जिम्बाब्वे के खिलाफ सैमसन बाहर, रहाणे ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर अर्जुन्य रहाणे ने



जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारत की टी20 टीम से विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को बाहर किए जाने पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ताओं ने इस फैसले के

बारे में खिलाड़ी को जानकारी दी होगी। इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए रहाणे ने सैमसन का समर्थन किया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह विकेटकीपर-बल्लेबाज जल्द ही राष्ट्रीय टीम में वापसी करेगा। रहाणे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, उम्मीद है कि संजू सैमसन से इस बारे में कोई बातचीत हुई होगी। यह अजीब लगता है कि हमारी हालिया टी20 वर्ल्ड कप जीत के हीरो को जिम्बाब्वे जाने वाली टी20 टीम में शामिल नहीं किया गया। उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

रहाणे की यह टिप्पणी जिम्बाब्वे टी20 सीरीज के लिए भारत की टीम की घोषणा के बाद आई है। भारत के सफल आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप अभियान में योगदान देने के बावजूद सैमसन को इस टीम में शामिल नहीं किया गया। भारत पहला टी20 23 जुलाई को, दूसरा 25 जुलाई को और तीसरा 26 जुलाई को खेलाया, ये सभी मैच हारारे में खेले जाएंगे। जहां अन्यर टीम की कप्तानी करेंगे, वहीं सूर्यवंशी भारत बनाम इंग्लैंड के बीच चल रही 5 मैचों की टी20 सीरीज में अपना पहला मैच खेलने के बाद टीम में अपनी जगह बनाए हुए हैं। दूसरी ओर तिलक वर्मा उप-कप्तान होंगे।

जिम्बाब्वे के लिए भारत की टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किरान (विकेटकीपर), शिवम दुवे, सुयांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिम्पर सिंह (विकेटकीपर)।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 100 अंक फिसला निफ्टी 24,400 के नीचे बंद

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार चार कारोबारी सत्र की तेजी के बाद बुधवार को गिरावट देखने को मिली। मुनाफावसुली और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के चलते निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 104.35 अंक (0.13%) गिरकर 78,180.72 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 31.65 अंक (0.13%) टूटकर 24,398.70 के स्तर पर बंद हुआ। सेक्टरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा कमजोरी देखने को मिली। वहीं निफ्टी आईटी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेल्स सेक्टर ने बाजार को कुछ हद तक सहारा दिया। निफ्टी50 में टाइटेन, टेक महिंद्रा और एक्ससीएल टेक सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयर रहे। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स करीब 0.3% और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.55% की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेबी शेयर पुनर्खरीद की व्यवस्था फिर से करेगी लागू

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति

एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने अधिसूचना जारी कर शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में शेयर की पुनर्खरीद (बायबैक) की व्यवस्था को फिर से लागू करने के नियम अधिसूचित किए हैं। इसके तहत कंपनियां एक अगस्त से खुले बाजार में अपने ही शेयर की पुनर्खरीद कर सकेंगी। साथ ही, पुनर्खरीद की प्रक्रिया की अवधि अधिकतम 66 कार्य दिवस तय की गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के नए नियमों के तहत कंपनियां पुनर्खरीद के लिए अलग से पुनर्खरीद खिड़की के बिना नियमित कारोबार व्यवस्था का माध्यम से पुनर्खरीद कर सकेंगी। इस कदम का उद्देश्य सुगमता और क्रियान्वयन दक्षता बढ़ाना है। साथ ही, सूचीबद्ध कंपनियों के लिए पूंजी आवंटन के एक साधन के रूप में पुनर्खरीद को अधिक आकर्षक बनाना भी है।

शंकर अय्यर

ऑटोमोबाइल के शुरुआती 70 वर्षों में कारों में सीटबेल्ट नहीं होती थी। नैश मोटर्स ने 1949 में लैप बेल्ट पेश की, लेकिन खरीदारों ने नकार दिया। सरकारों ने भी इस पर तब तक ध्यान नहीं दिया, जब तक कि 1968 में अमेरिका में इसे अनिवार्य नहीं कर दिया गया। लोगों का तर्क यह था कि 'हम तो हमेशा इसके बिना ही काम चलाते रहे हैं।' इस तर्क को हार्दसों में होने वाली मौतों की संख्या के गलत साबित किया। पिछले हफ्ते, पुर्तगाल के सिंट्राम में यूरोपीय संद्ल बैंक की वार्षिक ईसीबी फोरम में दुनिया के लगभग सभी ताकतवर केंद्रीय बैंक इकट्ठा हुए। अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन और कनाडा के केंद्रीय बैंकों ने मिलकर 'फॉरवर्ड गाइडेंस' (यानी ब्याज दरों की दिशा के बारे में संकेत देना) की व्यवस्था को खत्म करने का निश्चय किया है।

ईसीबी की अध्यक्षा क्रिस्टिन लेगार्ड ने तो अफसोस जताते हुए कहा भी कि वह इससे 'बंधी हुई और मजबूर' महसूस करती हैं। अमेरिका के केंद्रीय बैंक के नए चेयरमैन केविन वॉश ने 'साझा रख' अपनाया यानी कोई 'फॉरवर्ड गाइडेंस' (भविष्य के बारे में संकेत) नहीं। गौरतलब है कि भारत के रिजर्व बैंक ने अभी तक 'चुप्पी' नहीं साधी है और वह बाजार के उतार-चढ़ाव पर सक्रिय प्रतिक्रिया देता रहा है। विकासशील अर्थव्यवस्थाएं चुप रहने का जोखिम उठा भी नहीं सकतीं। केंद्रीय बैंकों के एक तरह से उदासीन हो जाने की यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब उनसे सर्वाधिक सक्रिय रहने की उम्मीदें की जा रही हैं।

‘बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स’ की एक रिपोर्ट में एआई में निवेश की तेजी को वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा बताया गया है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ऊंची दरों



या एआई सेक्टर में गिरावट से कीमतों में बदलाव 2008 के संकट जितना ही नुकसानदेह हो सकता है। हेराना की बात है कि शोधकर्ता बड़े संकटों की चेतावनी दे रहे हैं, और जिम्मेदार लोग चुप्पी साधने का जोखिम उठा रहे हैं। ये जोखिम मजबूत काल्पनिक नहीं हैं। टेक कंपनियां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर दस खरब डॉलर से अधिक खर्च कर रही हैं। यह सच है कि इन कंपनियों के पास बहुत पैसा है। लेकिन, यह भी उतना ही सच है कि उन्हें जितनी नकदी की जरूरत है, उतनी उनके पास नहीं है। इस अंतर को

कर्म से पूरा किया जाता है, जिसमें से ज्यादातर हिस्सा बीमा कंपनियों और बैंकों से जुड़े 'ऑफ-बैलेंस-शीट' माध्यमों के जरिये आता है। इसमें सर्कुलरिटी और ऐसे अस्पष्ट सौदे भी जोड़ लें, जिनमें एक ही संपत्ति को दो बार गिरवी रखने का जोखिम होता है। बैंकर यह बात जानते हैं।

सिंट्राम में जो निर्णय लिया गया है, वह केंद्रीय बैंकों की चुप्पी के पक्ष में यह तर्क देता है कि अतीत में भी दुनिया बिना किसी दिशा-निर्देश के भी काम चला लेती थी। यह सच है कि 1994 तक, फेडरल रिजर्व ने 'फंड्स रेट' का खुलासा नहीं किया था। यहां तक कि इसके लिए उसने कानूनी लड़ाई भी लड़ी थी। दरों की घोषणा फरवरी 1994 में शुरू हुई—ठीक उसी बैठक में, जिसने 15 खरब डॉलर के बॉन्ड बाजार में भारी गिरावट को जन्म दिया था। गिरावट ने वह कर दिखाया, जो कोर्ट नहीं करवा पाया था।

‘फॉरवर्ड गाइडेंस’ (भविष्य के बारे में संकेत) एक दशक बाद आया। बाजार अब पुराने समय की धीमी रफ्तार से बहुत आगे निकल चुके हैं। बाजार अब सेंटोमेटे इंजन और मिलीसेकंड में ट्रेडिंग करने वाले एल्गोरिदम से चलता है। ऐसे में, सिंट्राम में लिए गए फैसले के बाद अर्थव्यवस्था में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव होना तय है। केंद्रीय बैंकों के रुख से एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है। केंद्रीय बैंकों ने बार-बार कहा है कि वे सरकारों के घाटे, टैरिफ या वित्तीय खर्च पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, क्योंकि ये चीजें किसी भी आउटपुट गैप की तुलना में महंगाई को ज्यादा बढ़ाती हैं। अब वे महंगाई या दरों पर भी अपनी राय या इरादे जाहिर नहीं करेंगे। अगर केंद्रीय बैंक कीमतों का निर्धारण बाजारों पर छोड़ देते हैं और न तो कोई टिप्पणी करते हैं और न ही भविष्यवाणी, तो उठा आकौचित्य क्या रह जाता है?

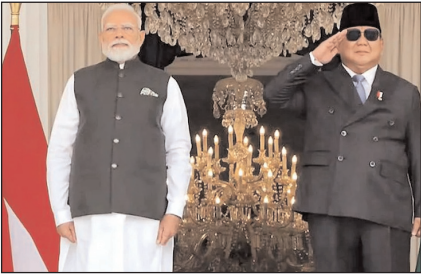


कुछ-कुछ होता है’ गाने का जिक्र कर पीएम मोदी बोले

‘भारत-इंडोनेशिया मिलकर ‘बहुत कुछ’ करेंगे’

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आज मंगलवार, 7 जुलाई को इंडोनेशिया की संसद में संबोधन देते हुए कहा, मैं जहां-जहां गया, जिस किसी से मिला, हर चेहरे पर भारत के प्रति प्रेम, सम्मान और आत्मीयता साफ दिखाई दे रही थी। पीएम ने आगे भारत-इंडोनेशिया के रिश्तों को लेकर कहा, वैसे मैंने देखा कि यहां भारत का गाना कुछ-कुछ होता है, बहुत ही लोकप्रिय है। इस पर मैंने इंडोनेशिया राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से कहा, जब भारत और इंडोनेशिया साथ मिलकर चलते हैं, तब कुछ-कुछ से भी आगे बढ़कर बहुत कुछ होता है।

पीएम मोदी का पारंपरिक और औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद इंडोनेशियाई वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने



उनके विमान को एस्कॉर्ट किया। 2018 में दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाए जाने के बाद से इंडोनेशिया की यह पीएम मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंगलवार को इंडोनेशिया की राजधानी में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जिसके साथ ही देश में

उनके अहम राजनयिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। जकार्ता में यह औपचारिक स्वागत इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की मौजूदगी में हुआ, जिन्होंने खुद इस दौरे पर आए नेता के स्वागत की अगुवाई की। एक खास पहल के तहत, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो ने हवाई अड्डे पर खुद प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया; उनके साथ चार वरिष्ठ मंत्री भी मौजूद थे। पीएम मोदी का पारंपरिक और औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें %गार्ड ऑफ ऑनर% दिया गया। देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद इंडोनेशियाई वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को एस्कॉर्ट किया। 2018 में दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाए जाने के बाद से इंडोनेशिया की यह पीएम मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया मोदी को

इंडोनेशिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान बितांग आदिपुर्ण से नवाजा है।इंडोनेशिया की तीन दिन की यात्रा पर गए श्री मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में बताया कि उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया है। श्री मोदी ने कहा, आज सुबह, मुझे बहुत स्नेह के साथ इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान भी दिया गया है। ये सम्मान कोटि-कोटि भारतवासियों का है... इंडोनेशिया के लोगों की भावनाओं का है, भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक और आत्मीय संबंधों का है। मैं प्रेसिडेंट प्रबोवो जी, इंडोनेशिया की सरकार और यहां की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: अग्रवाल

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज स्वामी आत्मानंद गवर्नमेंट स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (अंग्रेजी माध्यम), ब्रम्हरोड अंबिकापुर में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ नए शैक्षणिक सत्र का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को साइकिल वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा को जीवन में सफलता का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने और बेटियों को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्राओं को साइकिल वितरण केवल एक योजना नहीं, बल्कि उनकी शिक्षा, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे बेटियों की विद्यालय तक सुरक्षित और सुगम पहुँच सुनिश्चित होगी।



ट्रस्ट ने दिखाया खजाना, विरोधियों को मिला करारा जवाब

■ ट्रस्ट ने मीडिया के सामने दान की गई वस्तुएं प्रदर्शित कीं

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के आरोपों के बीच, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इन दावों को जोरदार ढंग से खारिज कर दिया है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने मंगलवार को घोषणा की कि भक्तों द्वारा दान किया गया 32 किलोग्राम से अधिक सोना और 1,518 किलोग्राम से अधिक चांदी

सहित अन्य बहुमूल्य वस्तुएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दान की गई सभी 2,926 कीमती चीजें, जिसमें हीरा जड़ा हार भी शामिल है, सुरक्षित हैं और उनका विधिवत हिसाब रखा गया है, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गिरि का यह बयान विरोधियों और अफवाहों फैलाने वालों को करारा



गई कई अद्भुत वस्तुएं प्रदर्शित की थीं। इसमें सोने की रामचरितमानस, एक भव्य हीरा जड़ित हार, चांदी की चरण पादुकाएं और चांदी की काकभुशुंडी की कलाकृति शामिल थीं। ट्रस्ट के

जवाब है। इसके पहले सोमवार को, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मीडिया के सामने दान की गई कई अद्भुत वस्तुएं प्रदर्शित की थीं। इसमें सोने की रामचरितमानस, एक भव्य हीरा जड़ित हार, चांदी की चरण पादुकाएं और चांदी की काकभुशुंडी की कलाकृति शामिल थीं। ट्रस्ट के

भाजपा अध्यक्ष नितिन ने जम्मू में कत्ती भाजपा की कमर

श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को जम्मू में पार्टी कार्यालय में भाजपा विधायकों, सांसदों, पूर्व विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बैठक की। इस बैठक में संगठनात्मक मामलों की समीक्षा की गई और केंद्र शासित प्रदेश के लिए रणनीति पर चर्चा की गई। जम्मू-कश्मीर के अपने दो दिन के दौरे के दौरान, नवीन ने जम्मू में प्रजा परिषद और भारतीय जनसंघ के नेता स्वर्गीय प्रेम नाथ डोगरा की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बीजेपी कार्यकर्ताओं, जिनमें गुर्जर और बकरवाल समुदायों के प्रतिनिधि भी शामिल थे, से बातचीत की और संगठन की पहुँच बढ़ाने तथा जन-मुहों पर चर्चा की। इससे पहले मंगलवार को, नवीन ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक स्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरण चूध के साथ जम्मू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दफ्तर का दौरा किया। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के अवसर पर जम्मू-कश्मीर जाने का मौका मिला।



राम भक्तों पर गोली चलाने वाले आस्था की बात न करें: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राम मंदिर के लिए मिले दान में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल किया कि वक्फ संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर जमीन पर कब्जे के मामले पर विपक्ष क्यों चुप रहा। प्रतापगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे दूसरे मुद्दों को नज़रअंदाज़ करते हुए चुनिंदा तौर पर हिंदू धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाते हैं। योगी ने कहा कि कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को ही नकार दिया और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलीयाँ चलवाईं। उन्हें आस्था के बारे में बात करने का क्या हक़ है—वे लोग जो हिंदू विरासत से जुड़े धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए तय फंड को कब्रिस्तान की चारदीवारी बनाने में खर्च कर देते थे? वे किस तरह की आस्था की बात कर रहे हैं?... यह देश अब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के जाल में नहीं फँसेगा।



पीएम को सर्वोच्च सम्मान मिलने पर कांग्रेस ने साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। यह तब हुआ, जब पीएम मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान बितांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया से नवाजा गया। कांग्रेस ने कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भी यह सम्मान मिला था। लेकिन उन्हें यह मरणोपरांत मिला था। इसके लिए उन्हें कोई कोशिश नहीं करनी पड़ी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंगलवार को भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिए यह सम्मान दिया गया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने यह पुरस्कार पीएम मोदी को सौंपा। एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया था कि पीएम मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान पाने वाले दूसरे भारतीय नेता हैं। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, और नेहरू को यह सम्मान मरणोपरांत मिला था, बिना किसी प्रयास के।



पंजाब कांग्रेस की कलह पर परगट सिंह का पलटवार

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता परगट सिंह ने पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि विचारों में मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं और इन्हें आपसी बातचीत से सुलझा लिया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए सिंह ने कहा कि पार्टी में कोई गुट नहीं है और मीडिया नेताओं के बीच आम बातचीत को भी आपसी झगड़े के तौर पर दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि पहली बात तो यह है कि कोई गुट नहीं है। आजकल अगर कोई किसी के साथ चाय भी पीता है, तो उसे राजनीति का हिस्सा बना दिया जाता है और कहा जाता है कि यह गुटबाजी है। ऐसा कुछ नहीं है... विचारों में मतभेद होना लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र है, जबकि भाजपा और आम आदमी पार्टी में ऐसा नहीं है; उनके अनुसार, इन पार्टियों में नेता खुलकर असहमति नहीं जताते। उन्होंने कहा कि भाजपा में ऐसा नहीं है। अगर आप भाजपा की बात करें, तो अमित शाह और मोदी की मर्जी के बिना पता भी नहीं हिलता। आम आदमी पार्टी में केजरीवाल के बिना कोई कुछ नहीं बोल सकता।



महिला नेता ने केसी वेणुगोपाल पर लगाए अपमान करने के आरोप

नईदिल्ली। कांग्रेस पार्टी कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है और अब इसका असर पार्टी के संगठन पर भी पड़ने लगा है। अगर पार्टी के भीतर फूट की खबरें आम हो गई हैं। अब गोवा कांग्रेस में भी मतभेद उभरे हैं और पार्टी की नेता शमीला सिद्दीकी ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। शमीला सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि एक बैठक के दौरान केसी वेणुगोपाल ने उनका अपमान किया। सिद्दीकी ने केसी वेणुगोपाल से हुई पूरी बातचीत सोशल मीडिया पर सार्वजनिक कर दी है और पार्टी नेतृत्व पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। शमीला सिद्दीकी ने पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से भी अपील की है। गोवा कांग्रेस की पूर्व मीडिया कॉर्डिनेटर शमीला सिद्दीकी ने सोशल मीडिया मंच सामान ले जाने का एक लंबा-चौड़ा पोस्ट किया है। इस पोस्ट में शमीला ने लिखा, 4 जुलाई 2026 को कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल गोवा आए। मीडिया के जरिए हमें इसकी जानकारी मिली कि वे गोवा कांग्रेस में पैदा हुए विवाद को सुलझाने के लिए गोवा आए हैं। गौरतलब है कि बीती 29 मई को कांग्रेस नेतृत्व ने अमित पाटकर को पद से हटाकर गिरीश चौडणकर को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया था।



मूल्य श्रृंखला का जुड़ाव

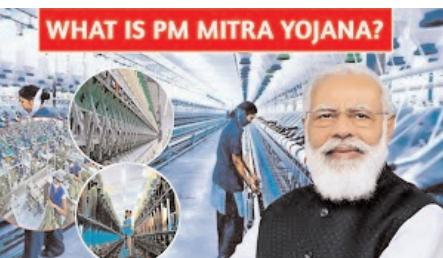
पीएम मित्र पार्क के ज़रिए भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही तस्वीर

बित्रा मार्गेरिता

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मृंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जोड़ीपी में 2.3ब, औद्योगिक उत्पादन में 13ब और निर्यात में 12ब का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से

रोजगार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है। वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई श्रृंखला के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलाने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मजदूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया। इसके

साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का क्रियाय लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है। वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रूरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग



की हिस्सेदारी 8ब से 10ब और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20ब है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है। इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, मानीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021

में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए 4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है। इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी एफ; फॉर्मूला है यानी फार्म (खेत) से फाइबर (रेशा) से फैंक्टरी (कारखाना) से फ़ैशन और फारेन (विदेश) तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती है- हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रृंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार

कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रूरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र प्रमुखमर्क इसी संतुलन को हासिल करता है। इन पाकों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति

सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नजदीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी सुमकित हो पाती है। चौक वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चैन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजी नियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है। 1,000 एकड़ से ज्यादा के एक ही इलाके में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग-अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है। इससे माल ढुलाई का खर्च और ट्रांसपोर्ट से होने वाला प्रदूषण भी बहुत कम हो जाता है और सामान तेज़ी से बाज़ार तक पहुँच पाता है।